



पेज-8

संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

पंतकूला

शुक्रवार

16 अक्टूबर, 2026

वर्ष:25 अंक: 113

कुल पृष्ठ:08

मूल्य : 1रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।

www.hindjanpath.com

मोटी-मोटी

बातें

SAR को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और 'इंडिया' ब्लॉक के अन्य नेताओं द्वारा दायर एक याचिका पर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को नोटिस जारी किया। इस याचिका में मतदाता सूची के 'विशेष सघन पुनरीक्षण' (एसआईआर) को चुनौती दी गई है। कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि वह अगली सुनवाई में याचिकाकर्ताओं में से एक के आचरण की जांच करेगा। सीजेआई सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमल्य बागची की पीठ ने निर्देश दिया कि इस याचिका को उन अन्य मामलों के साथ जोड़ दिया जाए, जो पहले से ही सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं और जिनमें विभिन्न राज्यों में एसआईआर (मतदाता सूची पुनरीक्षण) प्रक्रिया की वैधता को चुनौती दी गई है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, 'हम नोटिस जारी कर रहे हैं और इसे पहले से लंबित मामलों के साथ जोड़ रहे हैं। ईसीआई की ओर से किसी को नोटिस स्वीकार करना चाहिए या फिर याचिकाकर्ताओं को प्रतिवादियों को नोटिस तामील करना चाहिए।



पाकिस्तान के पेशावर में स्कूल हादसा: 31 बच्चों और दो लेडी टीचर की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पेशावर में गुरुवार को प्राइवेट स्कूल की छत भरभराकर गिर गई। मलबे के नीचे दबने से 31 बच्चों और दो लेडी टीचर समेत 33 की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने 'लेडी रीडिंग हॉस्पिटल' (एलआरएच) के हवाले से इसकी जानकारी दी। इस दर्दनाक हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। एलआरएच के अनुसार, 53 बच्चों की अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से ज्यादातर लड़के थे। इनमें से 33 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 17 बच्चों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पाकिस्तानी दैनिक 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के मुताबिक, सभी बच्चों की उम्र 14 साल या उससे कम थी। एलआरएच प्रवक्ता मुहम्मद आसिम ने बताया कि अस्पताल में इमरजेंसी घोषित कर दी गई थी और वरिष्ठ अधिकारी टोम वार्ड में मौजूद थे, ताकि घायलों के इलाज की निगरानी की जा सके। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर थी।



अमेरिका में हिंदू-विरोधी सोच और भारतीयों के खिलाफ हिंसा बढ़ा रहत नहीं: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका में हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर फायरिंग की साजिश की घटना का कड़ा वरिध किया। वदिश मंत्रालय ने कहा कि यह घटना अमेरिका में बढ़ती नस्लीय नफरत और भारत-विरोधी भावना को बढ़ाती है। ऐसी घटनाओं के प्रति ठोस कदम उठाने की जरूरत है। वदिश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इलिनोइस राज्य के ऑरोरा इलाके में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर सामूहिक गोलीबारी करने की कथित साजिश की खबरें बेहद चिंताजनक हैं। इस कथित साजिश में हिंदू-विरोधी और नस्लभेदी सोच दिखाई देने की बात सामने आई है। भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ हिंसा से जुड़े कथित उल्लेख इसे और भी परेशान करने वाला बनाते हैं। उन्होंने कहा कि हमने इस मामले में अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों की गिरफ्तारी, हिरासत और उसके खिलाफ लगाए गए आरोप शामिल हैं।

अशोक सिंघल का जीवन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं के प्रति समर्पण की प्रेरणा: राज्यपाल

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल का जीवन और उनकी विरासत समाज को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और अपने आचरण, सामाजिक जीवन और भावी पीढ़ियों को दिए जाने वाले संस्कारों के माध्यम से जीवंत बनाए रखने की जिम्मेदारी का स्मरण करवाती है।

राज्यपाल ने आज शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थिएटर में अशोक सिंघल के मरण शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने श्री सिंघल के जीवन को भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और हिंदू समाज की सांस्कृतिक चेतना के प्रति समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा कि अशोक सिंघल ने जीवनपर्यन्त भारतीय संस्कृति के संरक्षण, हिंदू समाज को संगठित करने और देश की प्राचीन परंपराओं के प्रति गौरव की भावना जागृत करने के लिए समर्पित भाव से कार्य किया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन हमें यह स्मरण करवाता है कि किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक और भौतिक उपलब्धियों में ही नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक चेतना, नैतिक मूल्यों और अपनी विरासत के प्रति गौरव में भी निहित होती है।



परविंदर झोटा की हत्या पर पंजाब भर में सड़कें, स्कूल, बाजार बंद

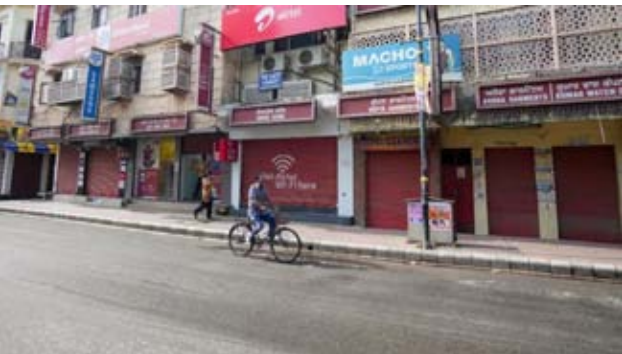
SHO निलंबित, कई प्रदर्शनकारी हिरासत में

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या के विरोध में बुलाए गए राज्यव्यापी बंद के कारण गुरुवार को पूरे पंजाब में राजमार्ग यातायात, बाजार और शैक्षणिक संस्थान बाधित हो गए, पुलिस ने एक स्टेशन हाउस अधिकारी को निलंबित कर दिया, एक पुलिस उपाधीक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की और मुख्य हत्या आरोपी की पत्नी को हिरासत में लिया।

इस बीच, झोटा के परिवार ने हत्या की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग करते हुए दाह संस्कार के लिए उसका शव लेने से इनकार कर दिया, हालांकि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उन्हें अपना विरोध समाप्त करने के लिए मनाने का प्रयास किया।

सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक



निर्धारित बंद से लुधियाना, बटिंडा, मनसा, जालंधर, पटानकोट और गुरदासपुर सहित कई जिले प्रभावित हुए, जहां दुकानें, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और कई निजी शैक्षणिक संस्थान बंद रहे।

किसान संगठनों ने लुधियाना और बटिंडा में राजमार्गों के साथ-साथ मोहाली को चंडीगढ़ से जोड़ने वाले मार्गों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। पुलिस ने विरोध

प्रदर्शन के दौरान जालंधर, बटिंडा और फरीदकोट में कई किसान नेताओं को हिरासत में लिया।

एम्बुलेंस, अस्पताल, फार्मसियों और अग्निशमन सेवाओं सहित आपातकालीन सेवाओं को बंद से छूट दी गई थी।

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, झोटा की हत्या के आसपास की परिस्थितियों पर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की बढ़ती मांग के बाद, मानसा के वरिष्ठ

रंग बनाने वाली फैक्टरी में अचानक हुआ धमाका, 4 मजदूरों की गई जान

गांधीनगर – गुजरात के गांधीनगर जिले में छत्राल जीआईडीसी के फेज-4 स्थित एक फैक्टरी में आज विस्फोट होने से 4 श्रमिकों की मौत हो गई। कलोल तालुका पुलिस थाने के निरीक्षक जे जे गढ़वी ने बताया कि यह घटना गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) परिसर में स्थित कोविका डाइज एंड इंटरमीडिएट्स नामक फैक्टरी में हुई। इस फैक्टरी में रंगों का निर्माण होता है।

गढ़वी के अनुसार, बॉयलर के पास पाइप फिटिंग का काम चल रहा था, तभी विस्फोट हो गया। प्रारंभिक जांच में आंशका जताई गई है कि दबाव के कारण पाइप फटने से विस्फोट हुआ। घटना की जांच के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की एक टीम मौके पर पहुंच गई है। घटना की जांच के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की एक टीम घटनास्थल पर मौजूद है।

अधिकारी ने मृत श्रमिकों की पहचान झारखंड निवासी विनोदकुमार नंदलाल सिंह (42), टेडा देहरी (18) और सिकंदर लाखन देहरी (40) तथा उदयपुर निवासी लक्ष्मण मीणा के रूप में की। शवों का पोस्टमार्टम कराने और दुर्घटनावाश मौत का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू का स्पीति दौरा जनजातीय क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब

स्पीति के विकास को नई दिशा एवं गति देने की पहल

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश के दुर्गम जनजातीय क्षेत्र स्पीति में विकास की संभावनाओं को नई दिशा देने और स्थानीय लोगों की समस्याओं को समझने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू का दो दिवसीय काजा दौरा कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा। यह दौरा केवल विकास योजनाओं की घोषणाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें जनसंवाद, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, बिजली आपूर्ति में सुधार, पर्यटन को प्रोत्साहन और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने की व्यापक रूपरेखा सामने आई।

मुख्यमंत्री ने दौरे के दौरान स्पीति के दुर्गम और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जनजातीय समुदायों क्षेत्रों में 116.28 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न विकासाल्क परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास किए।

उन्होंने प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत स्पीति घाटी के रंगरिक्त में रात्रि प्रवास किया। प्रवास के दौरान उन्होंने मंचवृत्ति में जनसमस्याएं सुनीं और उनके समाधान के



लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने रंगरिक्त स्थित स्वास्थ्य उप-केन्द्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्तरोन्नत करने तथा नए बालिका छात्रावास के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा भी की।

स्पीति के विकास की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण पहल कुंजुम पास के नीचे टनल निर्माण के लिए सर्वेक्षण करवाने और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस टनल के निर्माण के लिए प्रयासरत है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और मौसम की चुनौतियों से प्रभावित इस क्षेत्र में बेहतर सड़क संपर्क, पर्यटन, व्यापार, आपातकालीन सेवाओं और स्थानीय आजीविका के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

इसी प्रकार, स्पीति घाटी के रंगटोंग में निर्मित बैटरी स्टोरेज से संचालित प्रदेश के पहले सौर ऊर्जा संयंत्र का लोकार्पण मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इस संयंत्र से प्रति वर्ष लगभग 36 लाख यूनिट बिजली उत्पादन होने की संभावना है। जिला कौन्सिल के

समदो तथा काजा में 47.95 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 66/22 केवी विद्युत उप-केन्द्रों की आधारशिला भी रखी। समदो-काजा ट्रांसमिशन लाइन को तीन वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिस पर लगभग 350 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार स्पीति में बिजली की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री जब 15 अप्रैल, 2023 को हिमाचल दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम के अवसर पर काजा आए थे, उस समय स्थानीय लोगों ने बिजली की समस्या उनके समक्ष रखी थी। मुख्यमंत्री ने स्थायीय लोगों को इस समस्या के समाधान के प्रति आश्चस्त किया था और आज इस दिशा में परिवर्तन स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वीडन में इंडिया-स्वीडन इनोवेशन डे 2026 कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

इंडो-स्वीडन इनोवेशन डे पर उपस्थित होना सम्मान और प्रसन्नता का विषय: मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने स्वीडन में आयोजित इंडिया-स्वीडन इनोवेशन डे 2026 कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस महत्वपूर्ण आयोजन में मुख्यमंत्री ने भारत और स्वीडन के बीच नवाचार, व्यापार और औद्योगिक सहयोग को और मजबूत बनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इंडो-स्वीडन इनोवेशन डे पर आप सभी के बीच उपस्थित होना मेरे लिए सम्मान और प्रसन्नता का विषय है। आज का यह आयोजन इंडिया-स्वीडन 2035 प्रतिस्पर्धी भविष्य के लिए नवाचार के साझा संकल्प को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने हरियाणा को इस वर्ष का महत्वपूर्ण में राज्य भागीदार बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मई 2026 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र



मोदी ने स्वीडन के साथ भारत के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया है। यह कदम दोनों देशों के बीच सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला है। उन्होंने व्यापार आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत-स्वीडन व्यापार वर्ष 2016 के 2.86 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2025 में 7.75 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती को दर्शाता है।

पुलिस अधीक्षक वैभव चौधरी ने सिटी-2 पुलिस स्टेशन की स्टेशन हाउस अधिकारी बेअंत कौर को निलंबित कर दिया।

जिला पुलिस ने पुलिस उपाधीक्षक हरजिंदर सिंह गिल के खिलाफ भी कार्रवाई की सिफारिश की, साथ ही मामले को आगे की जांच के लिए पुलिस महानिदेशक के कार्यालय को भेज दिया गया।

चौधरी ने कहा कि डीएसपी के खिलाफ कार्रवाई का फैसला पुलिस मुख्यालय में किया जाएगा।

संदिग्ध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्यकर्ता के अभियान से जुड़े विवाद के बाद कथित तौर पर मेडिकल स्टोर के मालिक अश्विनी कुमार ने झोटा की 13 अक्टूबर को मनसा में गोली मारकर हत्या कर दी थी।

पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसकी पत्नी नीलम रानी को भी इस आरोप में हिरासत में लिया गया है कि उसने गोलीबारी के बाद अपने पति को भागने में मदद की थी।

पंजाब में बिजली की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने केंद्रीय बिजली मंत्री से की मुलाकात



द्वारा बार-बार जारी किए जा रहे नोटिसों पर भी चिंता जताई और बताया कि कोयले की निर्बाध आपूर्ति

नई दिल्ली- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां कहा कि पंजाब में बिजली की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी, क्योंकि केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ हुई बैठक के बाद केंद्र ने राज्य को बिजली और कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब इस वर्ष केंद्रीय पूल में 180 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) चावल का योगदान देगा। उन्होंने कहा कि देश के अन्न भंडार में राज्य के इस योगदान को लगातार जारी रखने के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शाहपुर कंडी बांध के संबंध में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी)

अमृतसर में असॉल्ट राइफल, 2 हैंड ग्रेनेड और 13 पिस्तौल बरामद; पिता-पुत्र सहित पांच व्यक्ति काबू

दोषी पुलिस से बचने के लिए एनिकटेड संचार प्लेटफॉर्मों का इस्तेमाल कर रहे थे: डी.जी.पी. गौरव यादव

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान, काउंटर इंटीलिजेंस (सी.आई.) अमृतसर ने पिता-पुत्र सहित पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार करके सीमा पार से चल रहे हथियार और विस्फोटक तस्करी मांड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने उनके पास से एक .30 बोर की असॉल्ट राइफल, दो हैंड ग्रेनेड और 13 विदेशी आधुनिक पिस्तौल बरामद की हैं। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डी.जी.पी.) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरपीत सिंह और उसके पुत्र जसकरन सिंह दोनों निवासी गांव बल्लरवाल, हलका अजनाला अमृतसर; वीनू निवासी सारपुर, बटाला; अमृतपाल सिंह निवासी गांव रसूलपुर और गौरव मसीह निवासी गांव



गौसपुरा, बटाला के रूप में हुई है।

बरामद किए गए पिस्तौलों में चार 9एमएम ग्लॉक और नी .30 बोर की पिस्तौल शामिल हैं। इसके अलावा 25 जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। हथियारों और विस्फोटकों के अलावा, पुलिस टीमों ने उनके दो मोटरसाइकिल—होंडा लिबो और हीरो स्पेंडोर जिनका इस्तेमाल इन खेपों को डिलीवर करने के लिए किया जा रहा था, भी जब्त कर लिए हैं।

इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए, डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि सी.आई. अमृतसर को खुफिया जानकारी मिली थी कि पिता-पुत्र गुरपीत सिंह और जसकरन सिंह विदेश में बैठे तस्करी के लगातार संपर्क में हैं। वे उसके

निर्देशों पर सीमा पार से ड्रोन के जरिए भेजे गए हथियारों, गोली-बारूद और विस्फोटकों की खेपें प्राप्त करते हैं और अपने साथियों वीनू, अमृतपाल सिंह और गौरव मसीह के जरिए आगे सरलाई करते हैं। उन्होंने बताया कि खुफिया जानकारी के जरिए यह भी पता लगा कि गुरपीत और जसकरन अपने साथियों वीनू, अमृतपाल और गौरव को अजनाला के गांव तेरी के नजदीक हथियारों और विस्फोटकों को सौंप रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस जानकारी पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, सीआई अमृतसर की टीमों ने निर्धारित स्थान पर छापा मारा और हथियारों तथा विस्फोटकों की खेप सहित मौके पर सभी पांच मुलजिमों को गिरफ्तार कर लिया।

ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए सरकार ने पूरा तंत्र झोंका, सीईसी इतने महत्वपूर्ण क्यों-अभिजीत दिपके

नई दिल्ली। कांक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 10 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई का मकसद सिर्फ एक व्यक्ति मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को बचाना था। दिपके ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, 'जब से चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों को लेकर सीईसी रिपोर्ट छपी है, तब से सरकार अपने पूरे तंत्र और मशीनरी का इस्तेमाल ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए कर रही है। पिछले कुछ दिनों से सभी छात्र संगठन और युवा दिल्ली की सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें सिर्फ एक व्यक्ति ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए सड़कों पर घसीटा जा रहा है।' अभिजीत दिपके ने इस बात की ओर भी इशारा किया कि विपक्षी नेताओं को भी नहीं बख्शा गया। उन्होंने कहा, 'ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) और पूर्व मुख्यमंत्रियों ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और पिनाराई विजयन तक को हिरासत में ले लिया गया।'

10 अक्टूबर को सीजेपी के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई का जिक्र करते हुए दिपके ने कहा, 'शायद देश में यह पहली बार था जब रेलवे को बंद कर दिया गया और यह भी सिर्फ ज्ञानेश कुमार के लिए। रेलवे बंद करने से भी उनका मन नहीं भरा, तो उन्होंने पूरी दिल्ली में मेट्रो और मेट्रो स्टेशनों की भी बंद कर दिया। किसके लिए? ज्ञानेश कुमार के लिए। इतने पर भी जब उनका मन नहीं भरा तो उन्होंने जम्मू-कश्मीर से सुरक्षा बलों को बुला लिया।'

कांगड़ा ऊना के शक्तिपीठों में डीआईजी सौम्या ने किया दौरा ज्वालादेवी मंदिर के पुजारी कपिलमुनि ने करवाई पूजा अर्चना



हिन्द जनपथ
ऊना(ब्यूरो)। चितपूर्णा, ज्वाला देवी, बगलामुखी, ब्रजेश्वरी देवी चामुंडा मंदिरों में डीआईजी सौम्या सांबसिवन ने शक्तिपीठों में जहां देवी के दर्शन किए वहाँ पुलिस द्वारा किए गए इंतजामों को भी जाँचा।

ज्वाला देवी मंदिर पहुंचने पर मंदिर के कुल पुरोहित कपिल मुनि ने उनसे भी दिवस पूजा अर्चना कराई और मां ज्वाला का आशीर्वाद पंचमी नवरात्र में दिया।

आगामी सप्तमी अष्टमी नवरात्र में पुलिस के बेहतर प्रबंधन में कोई भी कमी ना रहे इसलिए इस दौरे को प्रमुखता से देखा जा रहा है

इस मौके पर मंदिर अधिकारी अजय मंडयाल, डीएसपी संजय शर्मा, सो सदीप पटियाल भी मौजूद रहे।

सीएम सुकखू ने थपथपाई जाइका स्वयं सहायता समूहों की पीठ

हिन्द जनपथ
काजा (ब्यूरो) । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद सिंह सुकखू ने काजा दौरे के दौरान जाइका वानिकी परियोजना से जुड़े स्वयं सहायता समूहों की पीठ थपथपाई। बुधवार देर सायं लादरचा मैदान में आयोजित सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुकखू जाइका वानिकी परियोजना द्वारा लगाए गए स्टाल पर पहुंचे, तो परियोजना से जुड़ी 6 स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं काफ़ी उत्साहित दिखी। मुख्यमंत्री ने यहां बिक्री और प्रदर्शनी के लिए लगाए गए प्राकृतिक एवं रसायन मुक्त उत्पादों की सहना की। खासकर विटामिन सी यानी छरमा के उत्पादों और हस्त निर्मित गलीचे तैयार करने वाली महिलाओं की मेहनत को देख सीएम सुकखू ने उन्हें शाबाशी भी दी। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज आत्मनिर्भता से आजीविका सुधार के क्षेत्र में बेहदरीन कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा, एसीएफ वाइल्ड लाइफ स्पीति चमन लाल ठाकुर, विषय वस्तु विशेषज्ञ जाइका वानिकी परियोजना वाइल्ड लाइफ स्पीति आशुतोष पाठक, एफटीयू को-ऑर्डिनेटर काजा मिनाक्षी बोद्ध समेत वन विभाग और वानिकी परियोजना के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

प्रदेश में पीजी मेडिकल सीटों में की गई ऐतिहासिक वृद्धि, 277 से बढ़ाकर की गई 597 सीटें: स्वास्थ्य मंत्री

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शाहिल ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुकखू ने प्रदेश के छह सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में पीजी मेडिकल सीटों की संख्या 277 से बढ़ाकर 597 कर ऐतिहासिक वृद्धि की है। पीजी मेडिकल सीटों में इस तरह 320 सीटों की वृद्धि की गई है। इसे एनाएमसी ने अनुमोदित किया है। पिछले 40 वर्षों में पीजी मेडिकल सीटों में की गई यह सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। उन्होंने कहा कि यह विस्तार विशेषज्ञ चिकित्सकों के प्रशिक्षण को मजबूत करने, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य के चिकित्सा क्षेत्र के परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। प्रदेश सरकार सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों को सुदृढ़ करने, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा के अवसरों को विस्तार प्रदान करने और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में सुधार लाने पर विशेष बल दे रही है। उन्होंने कहा कि इस विस्तार के तहत इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय (आईजीएमसी), शिमला में पीजी सीटों की संख्या में 91 सीटों की वृद्धि कर इन्हें 139 से बढ़ाकर 230 किया गया है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा में सीटों की संख्या 99 से बढ़ाकर 156 की गई है। इस संस्थान में 57 सीटों की वृद्धि की गई है। श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, मंडी में सीटें 24 से बढ़ाकर 79 की गई हैं, यानि 55 सीटों की वृद्धि हुई है। डॉ. यशवंत सिंह परमार राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, नाहन में पीजी सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए इन्हें 3 से बढ़ाकर 35 किया गया है। इस संस्थान में 32 सीटों की वृद्धि की गई है। पंडित जवाहर लाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, चंबा में सीटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 32 की गई है, यहां 28 सीटों की वृद्धि की गई है। इसके अतिरिक्त, डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, हमीरपुर में पीजी सीटें 8 से बढ़ाकर 65 की गई हैं। इस संस्थान में 57 सीटों की वृद्धि की गई है।

आंगनवाड़ी सह क्रेच कार्यक्रमकर्ता एवं सहायिका के पदों के लिए साक्षात्कार 30 अक्टूबर को

शाहपुर:बाल विकास परियोजना अधिकारी, रैत ने जानकारी देते हुए बताया कि बाल विकास परियोजना रैत के अंतर्गत आंगनवाड़ी सह क्रेच कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों को भरने के लिए 19 जून, 2026 को जारी अधिसूचना के संदर्भ में आयोजित किए जाने वाले साक्षात्कार भारी बारिश के कारण स्थगित कर दिए गए थे। उन्होंने बताया कि अब इन रिक्त पदों को भरने के लिए साक्षात्कार की नई तिथि 30 अक्टूबर, 2026 (शुक्रवार) निर्धारित की गई है। साक्षात्कार प्रातः 10:00 बजे बाल विकास परियोजना कार्यालय, रैत में आयोजित किए जाएंगे। बाल विकास परियोजना अधिकारी ने संबंधित अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना सुनिश्चित करें, ताकि चयन प्रक्रिया में भाग ले सकें।

डीसी कार्यालय में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित, उपायुक्त हेमराज बैरवा ने किया शुभारंभ धर्मशाला: आयुष विभाग की ओर से आंिटरोपोरोसिस एवं मस्क्युलोस्केलेटल विकारों की रोकथाम और प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत डीसी कार्यालय परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने शिविर का शुभारंभ किया। शिविर का उद्देश्य लोगों को हड्डियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा विभिन्न बीमारियों की समय पर पहचान और रोकथाम को बढ़ावा देना रहा। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाना बेहद जरूरी है। हड्डियों से संबंधित बीमारियों की समय रहते पहचान होने से उनके प्रभाव को कम किया जा सकता है। उन्होंने कर्मचारियों और आम लोगों से नियमित योग, संतुलित आहार तथा शारीरिक गतिविधियों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और बीमारियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्यमंत्री ने रंगरिक में बालिका छात्रावास के लिए 2 करोड़ रुपये देने की घोषणा की

स्वास्थ्य उपकेन्द्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में किया जाएगा स्तरोन्नत

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुकखू ने प्रदेश सरकार के ‘सरकार गांव के द्वार’ कार्यक्रम के तहत स्पीति घाटी के रंगरिक में रात्रि प्रवास किया। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने मंजूश्री में जनसमस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने रंगरिक स्थित स्वास्थ्य उपकेन्द्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्तरोन्नत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दुर्गम गांवों में रहने वाले लोगों की समस्याओं को करीब से समझने के लिए वह इन गांवों में रात्रि प्रवास कर रहे हैं। इस दौरान वह संवाद के माध्यम से जनसमस्याओं से अवगत होते हैं और उनके समाधान को केन्द्र में रखकर विभिन्न योजनाओं को प्रदेश के बजट में शामिल किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी ‘सरकार गांव के द्वार’ कार्यक्रम के तहत जनसमस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान



की जा रही है। विकास की मुख्यधारा से वंचित समाज के संवेदनशील वर्गों तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी वह प्रदेश के कई दुर्गम क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं, जहां उन्होंने लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाए हैं।

रंगरिक प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने सोनम फुंसुक के आवास पर रात्रि विश्राम किया। स्थानीय निवासियों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया

हिमाचल

मुख्यमंत्री ने रंगरिक में बालिका छात्रावास के लिए 2 करोड़ रुपये देने की घोषणा की

स्वास्थ्य उपकेन्द्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में किया जाएगा स्तरोन्नत

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुकखू ने प्रदेश सरकार के ‘सरकार गांव के द्वार’ कार्यक्रम के तहत स्पीति घाटी के रंगरिक में रात्रि प्रवास किया। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने मंजूश्री में जनसमस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, रंगरिक, के बालिका छात्रावास का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने छात्रावास में रह रही छात्राओं से बातचीत की और उनकी समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं। छात्राओं द्वारा बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग पर मुख्यमंत्री ने नए बालिका छात्रावास के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

उन्होंने छात्राओं को आश्वस्त किया

मशोबरा में राज्य स्तरीय महिला किसान दिवस आयोजित, 150 से अधिक महिला किसानों ने लिया भाग

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। महिला किसान दिवस के अवसर पर शिमला जिला के मशोबरा में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 150 से अधिक महिला किसानों ने भाग लिया। इस दौरान कृषि क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका, उनके योगदान तथा आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों के प्रसार में उनकी भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि प्रशिक्षण एवं विस्तार संस्थान के निदेशक डॉ. संतोष गुप्ता ने की। उन्होंने कृषि क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कृषि विकास, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान कृषि वैज्ञानिकों डॉ. उपेंद्र शर्मा और डॉ. सीता ने महिला किसानों को प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिला किसानों को प्राकृतिक खेती की पद्धतियों के प्रति जागरूक



करना तथा उन्हें इन तकनीकों को अपनाने और अन्य किसानों तक इनके प्रसार के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम के अतिरिक्त शिमला जिला के सभी विकास खंडों में भी महिला किसान दिवस मनाया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने, उनके अनुभवों को साझा करने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के शासकीय नेतृत्व का भाजपा हिमाचल ने किया अभिनंदन, प्रदेश पदाधिकारी बैठक में सर्वसम्मति से ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित : डॉ. बिंदल

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश की प्रदेश पदाधिकारी बैठक का आयोजन वरचुअल माध्यम से किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने की। बैठक में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, प्रदेश के सभी सांसद, विधायक तथा प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में देश के यशस्वी प्रथामंत्री श्रद्धय श्री नरेंद्र भाई मोदी जी के शासकीय सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर *’*25 वर्ष सेवा, सुशासन और समर्पण के — राष्ट्र प्रथम से विकसित भारत तक”** शीर्षक से एक विस्तृत राजनीतिक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस प्रस्ताव के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के शासकीय नेतृत्व, सेवा, समर्पण, सुशासन, गरीब कल्याण, राष्ट्रहित और विकसित भारत के संकल्प का अभिनंदन किया तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर राष्ट्रसेवा की कामना की। बैठक के उपरांत मीडिया को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रारंभ हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शासकीय यात्रा ने 7 अक्टूबर 2026 को 25 वर्ष पूर्ण किए हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 12 वर्ष गुजरात के मुख्यमंत्री तथा 12 वर्ष से अधिक समय देश के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र प्रथम की भावना को सर्वोपरि रखते हुए देश की सेवा की है। उनका जीवन मंत्र रहा है कि देश पहले, व्यक्ति बाद में; राष्ट्र पहले, पार्टी बाद में। बिंदल ने कहा कि इन 25 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता को सेवा, पद को दायित्व, नीति को परिणाम और जनशक्ति को राष्ट्रशक्ति में परिवर्तित करने का कार्य किया है। भाजपा हिमाचल प्रदेश ने इस ऐतिहासिक यात्रा का अभिनंदन करते हुए उनके नेतृत्व में भारत द्वारा अर्जित उपलब्धियों और हिमाचल प्रदेश को मिले विशेष स्नेह एवं विकास की सींगारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है।

नए जिलों के गठन पर सुधीर शर्मा का तंज, बोले— ‘घर में नहीं दाने, अम्मा चली भुनाने’

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश में नए जिलों के गठन को लेकर सियासत तेज हो गई है। प्रदेश सरकार की ओर से नए जिलों के गठन के लिए आयोग बनाने की चर्चा के बीच भाजपा नेता और धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा ने सरकार की मंशा, आर्थिक स्थिति और प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए हैं।शिमला विश्वविद्यालय में हमीरपुर छात्र एसोसिएशन के हमीर संगम में पहुंचे सुधीर शर्मा ने नए जिलों के गठन की कवायद को चुनौती शगुफा करार देते हुए आरोप लगाया कि सरकार प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

सुधीर शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की मौजूदा आर्थिक स्थिति को देखते हुए नए जिलों के गठन जैसे फैसले पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने तंज करते हुए कहा, “घर में नहीं दाने, अम्मा चली भुनाने।” उनका कहना है कि जब प्रदेश पहले से आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तो ऐसे में नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन से पैदा होने वाले अतिरिक्त वित्तीय बोझ को उठाना आसान नहीं होगा।

दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चाहे नए जिले बनाने की बात हो या अन्य प्रशासनिक इकाइयों के गठन की, सरकार को पहले यह देखना चाहिए कि इससे आम जनता को वास्तव में कितना लाभ मिलेगा। प्रशासनिक व्यवस्था का उद्देश्य केवल जिलों की संख्या बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि लोगों को समय पर सुविधाएं उपलब्ध करवाना और उनकी समस्याओं का जल्द समाधान सुनिश्चित करना होना चाहिए।

सुधीर ने कहा प्रदेश में ऐसे कई रोजमर्रा के मुद्दे हैं,

जिनके लिए लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नागरिकों के काम जल्द से जल्द हो सके। और सरकारी फाइलों का निपटारा समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्था में ही लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो नई इकाइयां बनाने से पहले इन समस्याओं का समाधान क्यों नहीं किया जा रहा है?

‘छह महीने तक लोग इसी चर्चा में उलझे रहेंगे’ नए जिलों के गठन को लेकर सुधीर शर्मा ने सरकार पर जनता का ध्यान भटकाने की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नए जिलों की चर्चा शुरू होने के बाद लोग इसी बहस में उलझे रहेंगे कि कौन-सा नया जिला बनेगा, उनका क्षेत्र किस जिले में आएगा और उन्हें किस जिला मुख्यालय में जाना पड़ेगा।

उन्होंने तंज करते हुए कहा कि सरकार ने लगभग छह महीने तक जनता को इस चर्चा में उलझाए रखने का रास्ता तलाश लिया है। इस दौरान प्रदेश के दूसरे महत्वपूर्ण मुद्दे पीछे छूट सकते हैं, लेकिन वास्तविक समस्याएं अपनी जगह बनी रहेंगी।

सुधीर शर्मा ने कहा कि नए जिलों के गठन की चर्चा से प्रदेश की आर्थिक चुनौतियाँ, विकास कार्यों से जुड़ी समस्याएं और आम जनता की परेशानियां खत्म नहीं होने वाली हैं।

राज्यपाल ने आईआईएसएम में ‘कांगड़ा कलम’ कला दीर्घा का किया लोकार्पण



हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने आज शिमला स्थित भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान (आईआईएस), राष्ट्रपति निवास, में आयोजित डायमंड जुबली समारोह के समापन दिवस के अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति तथा संस्थान के संस्थापक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने कांगड़ा की मिनिएचर पेंटिंग को समर्पित स्थायी कला दीर्घा ‘कांगड़ा कलम द पहाड़ी मिनिएचर आर्ट गैलरी’ का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर कांगड़ा चित्रकला पर आधारित ‘फोक एंड रूरल इमेजी इन कांगड़ा मिनिएचर: एन ईडिजिनस ईंडियन आर्ट पर्सपेक्टिव’ पुस्तक का विमोचन भी किया गया। यह आयोजन हिमाचल प्रदेश की समृद्ध कलात्मक विरासत, पहाड़ी समुदाय की जीवन शैली तथा पारंपरिक कला एवं संस्कृति को व्यापक जनसमुदाय तक पहुंचाने के संस्थान के प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवा शक्ति, शिक्षा, नवाचार और आत्मनिर्भरता से विकसित भारत का निर्माण हो रहा है: डॉ. सिकंदर

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद प्रो. डॉ. सिकंदर कुमार ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, समरहिल में हमीरपुर स्टूडेंट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम “हमीर संगम” को

संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के साथ उनका संबंध केवल एक शिक्षण संस्थान तक सीमित नहीं, बल्कि उनके जीवन, शिक्षा, संघर्ष, नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा की यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1985 से उनका इस विश्वविद्यालय के साथ गहरा नाता रहा है। इसी विश्वविद्यालय में उन्हें शिक्षा ग्रहण करने, विद्यार्थियों के बीच कार्य करने तथा संस्थान का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय से मिली शिक्षा, संस्कार और अनुभवों ने उन्हें सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और आज राज्यसभा सांसद के रूप में देश एवं प्रदेश की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान, प्रशासन, राजनीति, सामाजिक सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाएं देश को दी हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए और शिक्षा के साथ अनुशासन, परिश्रम, चरित्र निर्माण तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार होने का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे आधुनिक तकनीक, नवाचार, अनुसंधान और कौशल विकास को अपनाकर हिमाचल प्रदेश तथा देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं को विकसित भारत के निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति माना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और इस लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका अविभाज्य होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार शिक्षा, कौशल विकास, डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, उद्यमिता, अनुसंधान और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, अटल इनोवेशन मिशन और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जैसी पहलों ने युवाओं के लिए नए अवसरों का विस्तार किया है।

गारंटियों में विफलता और नए शगूफे छोड़ जनता को छलने में जुटी सुकखू सरकार : जयराम ठाकुर



जिलों का गठन करना ही था, तो यह कार्य अपने पांच साल के कार्यकाल की शुरुआत में ही कर देना चाहिए था। अब जबकि चुनावी वर्ष नजदीक आ चुका है, ऐसे में इस तरह के काल्पनिक और अव्यवहारिक निर्णय लेने के पीछे के असली मकसद को प्रदेश की जनता भली-भांति समझती है।

जयराम ठाकुर ने प्रशासनिक और कानूनी पहलुओं का हवाला देते हुए

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक जिम्मेदार मुख्य विपक्षी दल होने के नाते इस पूरे विषय पर पार्टी संघटन के भीतर गहराई से चर्चा करेगी और उसके पश्चात ही आधिकारिक तौर पर अपनी आगामी राजनीतिक एवं प्रशासनिक प्रतिक्रिया जनता के सम्मुख रखेगी।

नेता प्रतिपक्ष ने हालिया राजनीतिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि हाल ही में संघर्ष हुए पंचायत और नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों और झूठे दावों की पूरी तरह से पोल खुल चुकी है और वे चुनाव परिणामों में पूरी तरह से धराशायी हो गई हैं। इसी चुनावी वार से घबराने और अपनी गिरती साख को बचाने के उद्देश्य से अब सुकखू सरकार जनता के बीच नए-नए शगूफे छोड़ने की नाकाम कोशिश कर रही है ताकि मूल मुद्दों से आम जनता का ध्यान भटकाया जा सके।

राज्यपाल ने चंद्रनाहन रंगमंच के कलाकारों को सम्मानित किया



हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने आज रोहड़ के चंद्रनाहन रंगमंच के कलाकारों को लोक भवन में चाय पर आमंत्रित किया और उनकी शानदार नाट्य प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया।

यह पूरी नाट्य मंस्ली के लिए एक भावुक क्षण था, जब राज्यपाल ने कलाकारों के साथ बैठकर अनौपचारिक बातचीत की और व्यक्तिगत रूप से उन्हें सम्मानित किया। यह अवसर 12 अक्टूबर को शिमला के ऐतिहासिक गेयट्री थिएटर में वरिष्ठ साहित्यकार एस. आर. हरनोट के चर्चित उपन्यास ‘हिडिम्बा’ पर आधारित नाटक ‘मुखौटासुर’ के मंचन के बाद आया। चंद्रनाहन रंगमंच, रोहड़ के कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से ऐसा प्रभावशाली वातावरण निर्मित किया कि राज्यपाल देर रात तक थिएटर से नहीं जा सके। नाटक के दौरान कई अवसरों पर वे भावुक भी नजर आए।

आज कलाकारों के साथ संवाद के दौरान राज्यपाल ने स्वीकार किया कि नाटक की प्रस्तुति ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भी एकांकी नाटकों में अभिनय किया था और वे भली-भांति समझते हैं कि किसी प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाने के लिए कलाकारों को कितनी मेहनत करनी पड़ती है।

नाटक के निर्देशक कृष्ण भारती ने राज्यपाल को नाटक के मंचन की तैयारियों तथा रंगमंच की अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान कलाकारों ने भी राज्यपाल के साथ अपने अनुभव साझा किए।

न्यूज़ डायरी

पुराने डीजल व पेट्रोल वाहनों को स्कैप करवाएं , प्रदूषण कम करने में सहयोग करें

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ हरियाणा सरकार ने एनसीआर क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से एक विशेष पहल की शुरुआत की है।

एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, 10 वर्ष पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों को तुरंत स्कैप कराने का समय आ गया है। पुराने वाहन न केवल अत्यधिक वायु प्रदूषण फैलाते हैं, बल्कि ये चलाने में अधिक खर्चीले और सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी असुरक्षित होते हैं।

सरकार ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे स्वच्छ एनसीआर और हरित भविष्य के निर्माण में अपना योगदान देते हुए अपने 10 साल पुराने डीजल तथा 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को नजदीकी ‘पंजीकृत वाहन स्कैपिंग सुविधा केंद्रों’ (आरवीएसएफ) पर ले जाकर स्कैप करवाएं और नए स्वच्छ वाहनों को अपनाएं। आरवीएसएफ केंद्रों पर सुरक्षित स्कैपिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे कम प्रदूषण के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और वाहनों की उपयोगी सामग्री का रिसाइक्लिंग संभव हो सकेगा।

प्रवक्ता ने आगे यह भी बताया कि यदि लोग अपने इन पुराने वाहनों को जल्द से जल्द आरवीएसएफ केंद्रों पर ले जाकर स्कैप नहीं कराते हैं, तो नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। स्वच्छ एनसीआर और हर-भरे कल के सपने को साकार करने के लिए सरकार ने नागरिकों से अपने पुराने वाहनों को जिम्मेदारी से स्कैप कराने और इस मुहीम में सहयोग देने का आग्रह किया है।

डॉ. सुमिता मिश्रा ने रायपुर रानी तहसील कार्यालय और CHC का निरीक्षण किया



हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तीय आयुक्त तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज रायपुर रानी स्थित तहसील कार्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जनसेवाओं की उपलब्धता, प्रशासनिक कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उपायुक्त श्री सतसाल शर्मा भी उनके साथ उपस्थित रहे।

रायपुर रानी तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान डॉ. सुमिता मिश्रा ने संपत्ति पंजीकरण के कार्यों और लंबित म्यूटेशन मामलों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सर्कल राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित म्यूटेशन मामलों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निपटारा सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सब-रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर के लिए लंबित दस्तावेजों पर बिना किसी देरी के आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तहसील कार्यालय में इंटरनेट और बिजली की निबीध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि राजस्व संबंधी कार्य सुचारु रूप से संचालित हों। उन्होंने राजस्व रिकॉर्ड में छोटी-मोटी त्रुटियों को दूर करने के लिए ‘करेक्शन पोर्टल’ से संबंधित निर्धारित दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

पंचकूला में पहली बार दिख रहा गुजरात की संस्कृति का अद्भुत रंग, रास गरबा में झूम रहा शहर

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। होटल पल्लवी ग्रांड, सेक्टर-5 में आयोजित नौ दिवसीय रास गरबा एवं डांडिया महोत्सव में गुजरात की संस्कृति, परंपरा, भक्ति और सनातन संस्कारों का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। युवा वर्ग से लेकर महिलाओं, परिवारों और आम जनमानस तक सभी गरबा एवं डांडिया की धुनों पर उत्साह के साथ झूमते नजर आ रहे हैं।

इस भव्य आयोजन में रतन लाल कटारिया ट्रस्ट की संयोजक बंते कटारिया के मार्गदर्शन एवं सहयोग तथा होटल पल्लवी ग्रांड के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शृंखला आयोजित की जा रही है। आयोजन के संयोजक राजीव गुप्ता एवं दिनेश गुप्ता सहित पूरी आयोजन टीम द्वारा कार्यक्रम को भव्य और यादगार बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

महोत्सव में उस समय विशेष उत्साह देखने को मिला, जब भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल अपनी धर्मपत्नी के साथ विशेष रूप से कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम का आनंद लेने के साथ स्वयं भी डांडिया किया और उपस्थित लोगों का उत्साह बढ़ाया। अजय मित्तल ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम में होटल पल्लवी ग्रांड के मालिक राजीव गुप्ता, संयोजक दिनेश गुप्ता, मनीषा गुप्ता, रितु गुप्ता, गीता सिंगला, मंजू सिंगला सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वार्ड-6 मनीमाजरा में भाजपा ने चलाया पौधारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जगदीप

मनीमाजरा। भाजपा वार्ड-6, मनीमाजरा की ओर से पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के गेट नंबर-3 स्थित पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न पौधे लगाकर शहर को हरा-भरा, स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री रामवीर भट्टी तथा प्रदेश किसान मोर्चा के अध्यक्ष श्री मंदीप सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके अलावा भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला अध्यक्ष श्री भूपिंदर सिंह सैनी, वार्ड-6 की पार्षद श्रीमती सरबजीत कौर जग्गा, पूर्व डिप्टी मेयर श्री जगतार सिंह जग्गा और भाजपा नेत्री नितिका गुप्ता सहित भाजपा चंडीगढ़ प्रदेश, जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।इस अवसर पर उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल करना भी आवश्यक है। बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के बीच हरित क्षेत्र को सुरक्षित रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली बढ़ाने से वातावरण को स्वच्छ बनाने में मदद मिलती है।

कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों से भी अपील की गई कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनके संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके।कार्यक्रम के आयोजकों में वार्ड-6 अध्यक्ष राजीव गोग्रा, मंडल महामंत्री हरिकेश वर्मा तथा मंडल महामंत्री डी.पी. दूबे ने पौधारोपण अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

चंडीगढ़/हरियाणा/पंजाब/हिमाचल

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कर्मचारी यूनियनों के साथ की बैठक; मांगों के समयबद्ध समाधान का दिया भरोसा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भगवंत मान सरकार की कर्मचारी हितैषी सोच को दोहराते हुए वित्त मंत्री एवं कैबिनेट सब-कमेटी के चेयरमैन हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां विभिन्न कर्मचारी और ठेका कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित सेवा संबंधी मामलों पर विचार-विमर्श किया गया।

प्रतिनिधिमंडलों को सहानुभूतिपूर्वक और निष्पक्ष सुनवाई का भरोसा दिलाते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने संबंधित विभागों और बोर्डों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समस्याओं के उचित एवं समयबद्ध समाधान के लिए सभी तकनीकी और वित्तीय पहलुओं की तत्काल समीक्षा करें।

बैठक के दौरान उठाए गए प्रमुख मुद्दों में अनुबंध के आधार पर कार्यरत कर्मचारियों को नियमित करना, आउटसोर्स कर्मचारियों को सीधे विभागों व्यवस्था के अंतर्गत लाना, रोकी गई वार्षिक वेतन वृद्धियों (इंक्रीमेंट) को बहाल करना, स्मार्ट मीटरों के प्रभाव से बचाव के उपाय करना तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन संबंधी राहत प्रदान करना शामिल था।



बैठक के दौरान इनलिस्टमेंट-आउटसोर्सिंग समन्वय कमेटी पंजाब, पंजाब जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड ठेका कर्मचारी यूनियन, पावरकॉम एवं ट्रांसको ठेका कर्मचारी यूनियन, पावरकॉम को सीधे विभागों व्यवस्था के अंतर्गत लाना, रोकी गई वार्षिक वेतन वृद्धियों (इंक्रीमेंट) को बहाल करना, स्मार्ट मीटरों के प्रभाव से बचाव के उपाय करना तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन संबंधी मिल कर्मचारी महासंघ, बेरोजगार सांझा

मोर्चा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कोरोना वालंटियर यूनियन ने अपने मांगपत्र सौंपे।

इन बैठकों के दौरान इनलिस्टमेंट-आउटसोर्स समन्वय कमेटी पंजाब की ओर से वरिंदर सिंह मोमी, रमनदीप सिंह, पवनदीप सिंह, जगदीप सिंह, लक्ष्मण सिंह और हरजिंदर पाल सिंह; पंजाब जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड ठेका कर्मचारी यूनियन की ओर से शेर सिंह खन्ना, संजीव कुमार और गगनदीप; पावरकॉम एवं ट्रांसको ठेका कर्मचारी

‘युद्ध नशेआं विरुद्ध’ के तहत, बरनाला के डीसी ने ढिलवां में नशे के हॉटस्पॉट खत्म कर बच्चों के खेल मैदान और पार्क के निर्माण के निर्देश दिए

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए उपेक्षित स्थानों को मनोरंजन केंद्रों में बदला जाएगा: बरनाला डीसी

हिन्द जनपथ

बरनाला / चंडीगढ़(ब्यूरो)। भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की ‘युद्ध नशेआं विरुद्ध’ मुहिम के तहत नशे के दुरुपयोग के खिलाफ अभियान को और मजबूत करने के उद्देश्य से बरनाला के डिप्टी कमिश्नर हरप्रीत सिंह ने जिले के गाँव ढिलवां दखण में दो स्थानों को मनोरंजन सुविधाओं के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं: इनमें बच्चों के लिए खेल का मैदान और गाँववासियों के लिए एक पार्क बनाया जाएगा।

ये निर्देश एक बैठक के दौरान ढिलवां (दक्षिण) गाँव के सरपंच हरविंदर सिंह खालसा द्वारा यह मुद्दा उठाए जाने के बाद दिए गए, उन्होंने बताया कि किस तरह गाँव में

सार्वजनिक स्थानों की उपेक्षा एक बड़ी समस्या बन गई है और इन स्थानों को दोबारा उपयोग में लाकर गाँववासियों के लिए स्वस्थ वातावरण तैयार किया जा सकता है।

गाँव में ढिलवां (दक्षिण) सहित छह पंचायतें हैं, लेकिन बच्चों और युवाओं के लिए एक बड़े स्टेडियम की सुविधा उपलब्ध नहीं है। उनकी पंचायत में स्थित एक मैदान, जिसे मूल रूप से बच्चों के खेलने के लिए बनाया गया था, अनचाहे पेड़-पौधे और झाड़ियों से भर गया है, इसके कारण यह मैदान खेलकूद और मनोरंजक गतिविधियों के लिए अनुपयुक्त हो गया है।

सरपंच ने गाँव में खाली पड़े एक अन्य प्लॉट की ओर भी ध्यान दिलाया, जहाँ जंगली घास और झाड़ियाँ उग रही हैं। उन्होंने इस स्थान की सफाई करवाकर वहाँ पार्क विकसित करने का प्रस्ताव रखा, ताकि गाँववासी इस जगह को दोबारा उपयोग कर सकें।

मामले पर सज्ञान लेते हुए, डिप्टी कमिश्नर हरप्रीत सिंह ने तुरंत जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी (डीडीपीओ) को निर्देश दिए कि ढिलवां दखण में दोनों स्थानों की सफाई सुनिश्चित की जाए और वहाँ खेल मैदान तथा पार्क विकसित किए जाएँ।

इस प्रस्तावित पहल का उद्देश्य केवल सख्त कार्रवाई के माध्यम से ही नहीं, बल्कि गाँव के बुनियादी ढाँचे में सुधार करके भी नशे की समस्या से निपटना है। उपेक्षित सार्वजनिक स्थानों को दोबारा उपयोग में लाने से नशे के सेवन जैसी अवैध गतिविधियों के लिए उपलब्ध अवसरों को कम करने में मदद मिल सकती है और वहाँ, खेलकूद और मनोरंजन की सुविधाएँ विकसित होने से युवाओं को खेलों तथा रचनात्मक सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

‘युद्ध नशेआं विरुद्ध’ के तहत, पंजाब सरकार नशे के खिलाफ

बहुआयामी रणनीति अपना रही है, इसमें नशा तस्करोँ के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ नशे की रोकथाम, नशामुक्ति, रिहैबिलिटेशन और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जा रहा है।

यह पहल स्थानीय समस्याओं की पहचान करने और उनके समाधान के लिए निवासियों को एकजुट करने में गाँवों तथा पंचायतों की भागीदारी के महत्व को उजागर करती है।

ढिलवां में प्रस्तावित यह पहल दर्शाती है कि पंचायत स्तर पर प्रशासनिक प्रयास किस प्रकार इस व्यापक मुहिम में योगदान दे सकते हैं।

प्रशासन के निर्देशों से दोनों स्थानों को पुनः विकसित करने का रास्ता साफ होने की उम्मीद है। खेल मैदान बच्चों को बाहरी गतिविधियों के लिए एक समर्पित स्थान उपलब्ध करवाएगा, जबकि प्रस्तावित पार्क गाँववासियों के लिए एक साझा सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित हो सकेगा।

गैंगस्टरां ते वार का 268वां दिन: पंजाब पुलिस ने 530 ठिकानों पर की छापेमारी; 222 काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भगवंत मान सरकार ने नशा विरोधी कानूनों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अपना सख्त मुहिम और तेज कर दिया है, जिसके तहत फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन के ड्रग विंग ने 1 अप्रैल, 2025 से 30 सितंबर, 2026 के बीच 16,788 इंसपेक्शन किए। इस दौरान, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और ड्रग्स रूल्स, 1945 का संपादन करने के लिए 214 लाइसेंस्ड और अनलाइसेंस्ड फर्मों से 20.64 करोड़ रुपये की दवाएं जब्त की गईं, जबकि 520 केमिस्ट के लाइसेंस सस्पेंड किए गए और 22 केमिस्ट के लाइसेंस कैसल किए गए।

पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के निर्देशों के तहत कानून का पालन मजबूत करने और दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए नियमित तौर पर निरीक्षण किए जा रहे हैं। रिव्यू किए जा रहे समय के दौरान, नियम तोड़ने वालों के खिलाफ 54 कोर्ट केस दर्ज किए गए, जबकि 35 मामलों में दोषियों को सजा दी गई और गुनाहों लगाया गया। अभी, राज्य भर की अलग-अलग डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में कुल 650 केस पेंडिंग हैं।

● इग कानूनों को लागू करने के लिए अप्रैल 2025 से सितंबर 2026 के बीच 16,788 चेकिंग की गईं

नशे की दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, भारत सरकार ने 13 मई 2026 के नोटिफिकेशन नंबर जी.एस.ए. 377(ई) के जरिए ‘प्रोगैब्लिन’ को ड्रग्स रूल्स, 1945 के शेड्यूल एच1 में शामिल किया है। यह नियम 12 नवंबर, 2026 से लागू होगा।

इससे पहले, प्रोगैब्लिन को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 या ड्रग्स रूल्स, 1945 के किसी भी शेड्यूल में शामिल नहीं किया गया था। पंजाब सरकार ने इसके गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए रेगुलेटरी दखल की मांग करते हुए कई बार भारत सरकार के सामने अलग-अलग लेटर के जरिए यह मुद्दा उठाया था।

पंजाब सरकार ने ई-फार्मसी के जरिए ऑनलाइन

विश्व एनेस्थीसिया दिवस पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगी आईएसए पंचकूला

पंचकूला:

विश्व एनेस्थीसिया दिवस के अवसर पर इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स (आईएसए), पंचकूला द्वारा 16 अक्टूबर को जन-जागरूकता अभियान, शैक्षणिक गतिविधियाँ, जीवन-रक्षक कौशल के प्रदर्शन तथा सामुदायिक सहभागिता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सुरक्षित शल्य चिकित्सा, गहन चिकित्सा, दर्द प्रबंधन और आपातकालीन उपचार में एनेस्थीसियोलॉजिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति आमजन को जागरूक करना है।

विश्व एनेस्थीसिया दिवस प्रत्येक वर्ष 16 अक्टूबर को वर्ष 1846 में ईथर एनेस्थीसिया के पहले सफल सार्वजनिक प्रदर्शन की स्मृति में मनाया जाता है। यह दिवस चिकित्सा सेवाओं में एनेस्थीसियोलॉजिस्ट के योगदान तथा मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। एनेस्थीसियोलॉजिस्ट ऑपरेशन से पहले, ऑपरेशन के दौरान और ऑपरेशन के बाद मरीज की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उनके प्रमुख कार्यों में एनेस्थीसिया देने से पहले मरीज की स्वास्थ्य स्थिति का आकलन, एनेस्थीसिया देना, महत्वपूर्ण शारीरिक संकेतों की निगरानी, दर्द का प्रबंधन तथा ऑपरेशन के बाद मरीज की देखभाल शामिल है। इसके अतिरिक्त, एनेस्थीसियोलॉजिस्ट गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में गंभीर रूप से बीमार मरीजों की निगरानी और उनके उपचार में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

चंडीगढ़ में ड्यूटी चोरी और नकली जहरीली सिगरेटों का खुला कारोबार, दीपावली पर मिली छूट से उठे सवाल

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में ड्यूटी चोरी की गई असली सिगरेटें और उनकी नकली जहरीली डुप्लीकेट सिगरेटें खुलेआम बाजार में बेची जा रही हैं। इन पैकेटों पर न तो कैसर की अनिवार्य चेतावनी होती है और न ही एसआरपी। संबंधित विभाग इस पूरे खेल पर आंखें मूंदे हुए नजर आ रहे हैं।सबसे चिंता की बात यह है कि दीपावली जैसे बड़े त्योहार के मौके पर इस अवैध कारोबार को इतनी खुली छूट मिलना गंभीर संदेह पैदा करता है। करोड़ों रुपये की ड्युटी चोरी वाली असली सिगरेटें और उनकी जहरीली नकली काँपियों को बाजार में बेचने के लिए कहीं न कहीं मिलीभगत होना लाजमी लगता है। इतने बड़े पैमाने पर और इतने खुलेआम बिक रहे उत्पादों के बारे में उत्पाद शुल्क, स्वास्थ्य और पुलिस विभागों को जानकारी न होना लगभग असंभव है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसे बिना चेतावनी वाली नकली सिगरेटें कैसर समेत कई जानलेवा बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ा देती हैं। नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि प्रशासन तुरंत छापेमारी करे, स्टॉक जब्त करे और इस पूरे नेटवर्क की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। दीपावली के मौके पर मिली इस अजीब छूट ने भ्रष्टाचार के आरोपों को और मजबूत कर दिया है।



दवाओं की बिक्री को कंट्रोल करने वाले नियमों की कमी के बारे में भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के सामने चिंता जताई है। राज्य सरकार के मुताबिक, नशे के तौर पर इस्तेमाल की जा सकने वाली दवाएं आसानी से ऑनलाइन मिल जाती हैं, जिससे नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने की कोशिशों को नुकसान पहुंच रहा है। पंजाब सरकार ने राज्य में बिक्री के लिए आठ तरह के ड्रग फॉर्मूलेशन के स्टॉक पर बैन लगा दिया है। हालांकि, ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए कोई सही रेगुलेटरी फ्रेमवर्क न होने से अभी भी कानून को असरदार तरीके से लागू करने में रुकावट आ रही है।

भगवंत मान सरकार ने दवाओं की आसमान छूटी कीमतों और अलग-अलग कंपनियों की बनाई दवाओं, जिनमें उन दवाइयों की कीमतों में अंतर का मुद्दा भी उठाया है, जिनमें एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट या सॉल्ट एक जैसे होते हैं। सरकार का कहना है कि सुग्रीम कोर्ट के हालिया दखल और निर्देशों से पहले, केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया था। पंजाब सरकार ने जनता के हित में आगे काम करने और पब्लिक हेल्थ से जुड़े मुद्दों को हल करने और पूरे राज्य में ड्रग कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

डीजीपी अजयसिंघल के जन्मदिन पर माता मनसा देवी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन, भंडारे में जरूरतमंदों को कराया भोजन

पंचकूला- हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) श्री अजय सिंघल ने अपने जन्मदिन के अवसर पर आज अपनी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा सिंघल के साथ पंचकूला स्थित प्रसिद्ध माता मनसा देवी मंदिर में पहुंचकर श्रद्धापूर्वक माथा टेका। इस दौरान उन्होंने विधि-विधान के साथ विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन किया तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति, सामाजिक सौहार्द और नागरिकों की सुरक्षा के लिए मां भगवती से आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें जरूरतमंद एवं गरीब लोगों को भोजन कराया गया।

धार्मिक विधि-विधान से किया हवन, प्रदेश की खुशहाली के लिए की प्रार्थना

माता मनसा देवी मंदिर पहुंचने पर डीजीपी श्री अजय सिंघल एवं उनकी धर्मपत्नी का मंदिर प्रशासन द्वारा पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इसके पश्चात उन्होंने विधिवत हवन में आहुतियां अर्पित की और मां भगवती के समक्ष प्रार्थना में शांति, कानून-व्यवस्था की मजबूती तथा आमजन के कल्याण की कामना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुई पूजा-अर्चना के दौरान उन्होंने हरियाणा पुलिस के जवानों एवं अधिकारियों की सफलता, सुरक्षा और जनसेवा के प्रति समर्पण को और सुदृढ़ बनाने के लिए भी प्रार्थना की।

जन्मदिन पर भंडारे का आयोजन, जरूरतमंदों को कराया भोजन

डीजीपी श्री अजय सिंघल के जन्मदिन के अवसर पर मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया, जहां गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। इस पहल के माध्यम से सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया गया। जन्मदिन के अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन कराना सामाजिक सरोकारों और जनकल्याण के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है।



सुश्री रूप राशि और डॉ. नितेश धवन

हम भारत के गौरवान्वित नागरिक हैं—जो आज नामीलन जीडीपी की दृष्टि से विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है । आर्थिक विकास का एक बड़ा हिस्सा एएमएसएफ क्षेत्र से संचालित होता है, जिसका देश की समग्र जीडीपी में एक-तिहाई योगदान है। इसमें भी ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों का प्रमुख योगदान है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खादी और हथकरघा क्षेत्र जैसे कुटीर उद्योगों के साथ-साथ ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों पर निर्भर करती है। ऐसे समय में, जब दुनिया अस्मानता, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, वहीं आइटी और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में एआई नैकरियों को लगातार निगलते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के दिवज को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ये कम संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न कौशल स्तरों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करावकर स्थानीय स्तर पर कलातन को कम करने में भी सक्षम हैं। खादी—हाथ से पतला और हाथ से बुना हुआ—भारत की आत्मा रही है। जिम्मेदार उत्पादन

में ऊर्जा और जल का दक्षतापूर्वक उपयोग करते हुए प्राकृतिक रेशों का इस्तेमाल किया जाता है। विकास के वाहक के रूप में इसकी क्षमता को,धीमी गति से ही सही, लेकिन निरन्तर मान्यता मिल रही है। हमारा उद्योग एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो प्राचीन काल से चली आ रही है और मानव भावनाओं के व्यक्तितगत स्पर्श तथा अनुकरणीय कौशल के साथ विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करती है। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, थालिया (यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस द्वारा रचित) और कोटिल्य से संबंधित विभिन्न लिखित ग्रंथों में न केवल कताई और बुनाई का उल्लेख मिलता है, बल्कि रेशम और कपास की उच्च गुणवत्ता का भी उल्लेख किया गया है। रामायण में कपास का उल्लेख संत के गुणों से जोड़कर किया गया है, वहीं विभिन्न प्रकार की बुनाइयां समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाती हैं। हाथ से काते और हाथ से बुने ‘जनसमूह द्वारा उत्पादित’ खादी का उपयोग महात्मा गांधी जी ने उपनिवेशवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए जाने वाले उत्पादन का मुकाबला करने के लिए किया था। स्वतंत्रता का यह वस्त्र आज अपने प्राकृतिक, आरामदायक और सतत होने के विशिष्ट गुणों के कारण पसंदीदा फैशन स्टेटमेंट बनता जा रहा है।इसका, हस्तनिर्मित स्वरूप इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करता है और इसलिए इसे बड़े पैमाने पर होने वाले सामान्यीकृत उत्पादन के साथ मात्रा के स्तर पर प्रतिस्पर्धी करने की आवश्यकता नहीं है। खादी की यात्रा—स्वदेशी और स्वतंत्रता काएक प्रतीकहोने सेलेक्टर सम्मकलीन फैशन और जीवशैली की पसंद, विशेषकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नई पीढ़ी की -बनने तक यह दर्शाती है कि कैसे परंपरा स्वयं को बदलती उपभोक्ताप्राथमिकताओंके अनुरूपबदल सकती है। वास्तव में, निष्कट-स्रोत उत्पादन की परंपरा, जो अधिक

सतत है, खादी पारिस्थितिकी तंत्रकी अंतर्निहितशक्ति है। 21वीं सदी में, केवीआईसी हमारे अभिदेश में माननीय प्रशान्तमंजो के आह्वान—“राष्ट्र के लिए खादी, फैशन के लिए खादी और परिवर्तन के लिए खादी”—से प्रेरणा लेते हुए कृषि, फहन और बाजार के बीच जुड़ाव को सुदृढ़ करने में योगदान दे रहेहैं।

यह ध्यान देने योग्य बात है कि हाथ से कताई, खादी और हथकरघा के बीच प्रमुख अंतरकारी विशेषता है। चूँकि सूत भीमध्य से तैयार किया जाता है, इसलिए उत्पादन की श्रम-प्रधान प्रकृति बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करती है। किरात व्यक्‍तय के तहत तैयार किए गए हस्तनिर्मित लच्छेयों के एक्‍सिकरररन का कार्य करने वाली खादी संस्थाओं को पिछले सात दशकों से खादी और ग्रामोद्योग द्वय सहस्‍यत प्रदान की जाती रही है। केवीआईसी के विभागीय और गैर-विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों के माध्‍यम से कौशल विकास और कौशल उन्नयन के जरिए क्षमता वृद्धि की जा रही है।देशकीय-तिरहईग्रामीण आबादी कोदेखतेहुए, इस क्षेत्र का विशेष महत्त्व है, क्योंकि यह ग्रामीण उद्यमियों के लिए स्थात अवसर उपलब्ध कराता है। इस प्रकार के हस्तक्षेप जमीनी पर त लोगों के लिए आय सृजन के अवसर पैदा करके रेशों के एक्‍सिकररन का कार्य करने वाली खादी संस्थाओं को पिछले सात दशकों से खादी और ग्रामोद्योग अयोग (केवीआईसी) द्वारा अप्रैल 2025 से कताई और बुनाई के मजदूरी में वृद्धि, कार्य-उत्‍क्रणों, कार्य परिस्थितियों और उत्‍क्ररण संबंधी अवसरंचना में सुधार के लिए अतिरिक्त सहस्‍यता तथा विग्रण संबंधी सुविधओं को केन्‍टर बनना शक्ति है। करीरों की आय बढ़ाने और पारंपरिक और्जीविक्रयों को आकर्षक तथा आर्थिक रूप से सत्त बनाने पर दिए जा रहे जोर को और अधिक प्रदर्शित करते समय के साथ, विशेष रूप से पिछले एक दशक के दौरान, खादी और ग्रामोद्योग (वीआई) पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार सुदृढ़ किए जाने के कारण एक उत्‍पादन लगभग 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

संपादकीय

नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की सुरक्षा कौन करेगा?

एक सामाजिक कार्यकर्ता परमिंदर सिंह झोटा की हत्या एक मेडिकल स्टोर के मालिक ने कर दी। इसकी वजह यह थी कि झोटा दवा की दुकानों पर मादक पदार्थों की गैरकानूनी बिक्री का खुलासा करते थे।पंजाब में मादक पदार्थों की वजह से खड़ी जटिल समस्या पहले ही एक व्यापक चिंता की वजह बन चुकी है। अब वहां इस प्रवृति के खिलाफ स्थानीय लोग भी सक्रिय हो रहे हैं। मगर पंजाब के मानसा जिले में मंगलवार को नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले एक सामाजिक कार्यकर्ता की हत्या की घटना ने फिर यही साबित किया है कि वहां मादक पदार्थों के तस्क़र न सिर्फ़ पुलिस और कानून से बेख़ौफ़ अपना धंधा चला रहे हैं, बल्कि अगर कोई व्यक्ति उनकी अवैध गतिविधियों पर सवाल उठाता है, तो वे उसकी हत्या तक कर देते हैं।गौरलखन है कि एक सामाजिक कार्यकर्ता परमिंदर सिंह झोटा की हत्या एक मेडिकल स्टोर के मालिक ने कर दी। इसकी वजह यह थी कि झोटा दवा की दुकानों पर मादक पदार्थों की गैरकानूनी बिक्री का खुलासा करते थे। घटना के वक्त भी वे अपने कुछ साथियों के साथ मानसा बाजार की एक दवा दुकान के मालिक से मादक पदार्थ बेचने को लेकर सवाल कर रहे थे। मगर दुकानदार ने गोलबारी शुरू कर दी, जिससे झोटा की जान चली गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। यह समझना मुश्किल है कि जिस राज्य में सरकार खुद ‘नशे के विरुद्ध युद्ध’ जैसा प्रचारित अभियान चला रही हो, वहां इसी मसले पर आवाज उठाने वाले लोगों का जीवन खतरे में है।कहने को राज्य सरकार वहां खुद नशे की प्रवृति और इससे उपजी स्थिति को एक गंभीर संकट मानी है। मंगलवार को ही आई एक खबर के मुताबिक पुलिस ने मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी करने वाले पांच गिरोहों का पर्दाफाश करते हुए दस सदियों को गिरफ्तार किया। साथ ही भारी मात्रा में अवैध हथियार और नशीले पदार्थ बरामद किए। मगर इसी मसले पर एक सामाजिक कार्यकर्ता ने आवाज उठाई, तो उसकी जान चली गई।सवाल है कि मादक पदार्थों के तस्क़र कानून और पुलिस से इतने बेख़ौफ़ कैसे हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पंजाब में मादक पदार्थों और नशे का संचाल समूचे राज्य तथा वहां के लोगों के लिए एक गंभीर संकट बन चुका है।

पर्यटन में चिकित्सा यात्रा का बढ़ता दायरा- भारत आर्थिक शक्ति बन सकता है

(पी. एस वोहरा)

चिकित्सा पर्यटन में भारत आर्थिक शक्ति बन सकता है, लेकिन उसकी सामाजिक शक्ति बन पहचान इलाज की दूरी कम करने से ही होगी। भारत में पर्यटन की तस्वीर बदल रही है। अब हर हीसरी यात्रा चिकित्सा के कारण है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के जुलाई 2025 से जून 2026 के घरेलू पर्यटन व्यय सर्वेक्षण के अनुसार, 29.6 प्रतिशत यात्रार्थ स्वास्थ्य एवं चिकित्सा से संबंधित रही हैं। हालांकि घरेलू यात्राओं में सबसे अधिक आकड़ा (47.7 प्रतिशत) धार्मिक और तीर्थ यात्राओं का है। चिकित्सा के लिए होने वाली हर यात्रा एक बड़ा सवाल खड़ा करती है कि क्यों लोगों को उपचार के लिए यात्रा करनी पड़ रही है?

हालांकि इसका आर्थिक महत्व भी लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2025 में भारतीयों ने देश के भीतर यात्रा और पर्यटन पर लगभग 17.7 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, जो भारतीयों के कुल वार्षिक यात्रा एवं पर्यटन व्यय का करीब 86 प्रतिशत था। जाहिर है, भारत की पर्यटन अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा आधार स्वयं भारतीय है।

उपचार के लिए अपना शहर छोड़ कर दूसरे शहर जाना स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच का सवाल है। इस सर्वे के अनुसार, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा यात्रा पर औसत खर्च ग्रामीण क्षेत्र में 29,454 रुपये और शहरी क्षेत्र में 41,649 रुपये रहा। ग्रामीण परिवारों के स्वास्थ्य संबंधी यात्रा व्यय में लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा उपचार और दवाइयों पर गया, जबकि सरकारी प्रतिपूर्ति केवल 8.2 प्रतिशत रही। यात्रा, ठहरने, भोजन और साथ जाने

तेजी से आगे बढ़ रही डिजिटल भारत की यात्रा, महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

आचार्य पवन त्रिपाठी)

बीते कुछ वर्षों में सभी ने भारत को बदलते हुए देखा है। गांवों से लेकर महानगरों तक, गरीब परिवारों से लेकर मध्यम वर्ग तक और युवाओं से लेकर महिलाओं तक, विकास की चर्चा अब केवल नीतियों और घोषणाओं तक सीमित नहीं रह गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों को केंद्र में रखकर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान की मूल भावना भी इसी बदलाव को लोगों के बीच ले जाने की है। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक प्रस्तावित इस अभियान में सेवा, जनभागीदारी व सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की कहानियों के माध्यम से देश में हो रहे बदलाव को सामने रखा जा रहा है।

आज जब हम भारत की विकास यात्रा को देखते हैं, तो सबसे पहले उन योजनाओं और पहलों की याद आती है, जिन्होंने आम नागरिक के जीवन में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने का प्रयास किया। जनधन खातों के माध्यम से करोड़ों लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना हो, उच्चला योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की महिलाओं तक रसोई गैस पहुंचाना हो, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण हो या हर घर जल जैसी पहल-इन कार्यक्रमों ने विकास की चर्चा को सही परिवारों के दैनिक जीवन से जोड़ा है। वास्तव में विकास का अर्थ केवल बड़े शहरों में बनती ऊंची इमारतें नहीं हैं। विकास तब दिखाई देता है, जब किसी गरीब परिवार के घर में बिजली पहुंचती है, जब

विचार/मंथन

जलवायु परिवर्तनसे स्वास्थ्य का संकट भी, ईंसानों की सेहत पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

(जयसिंह रावत)

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण से प्रतिवर्ष लगभग 70 लाख असमय मौतें होती हैं। प्रदूषित हवा के सूक्ष्म कण हृदय रोग, पक्षाघात, श्वसन संबंधी बीमारियों और फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ाते हैं। वर्ष 2025 की लैंसेट काउंटडाउन रिपोर्ट के अनुसार 1990 के दशक की तुलना में गर्मी से संबंधित मृत्यु दर 23 प्रतिशत बढ़ी है।

जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण और प्राकृतिक आपदाओं तक सीमित नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा, श्रम उत्पादकता और आर्थिक विकास के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। बढ़ता तापमान, वायु प्रदूषण, दवाओं के प्रति रोगाणुओं की बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता और बदलते रोग चक्र विशेषकर गरीब तथा विकासशील देशों के लिए चिंताजनक है।

अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिका ‘द लैंसेट’ से जुड़े अध्ययनों और लैंसेट आयोग की रिपोर्टों ने चेताया है कि वर्तमान पर्यावरणीय एवं स्वास्थ्य नीतियों का प्रभाव पूरी शताब्दी तक रहेगा। भारत सहित दक्षिण एशिया में विशाल आबादी, अनियंत्रित शहरीकरण, भीषण गर्मी और कमजोर सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्थाएं इस संकट को और गंभीर बनाती हैं।

वैज्ञानिक इसके वास्तविक प्रभाव का आकलन ‘अक्षमता-समायोजित जीवन-वर्ष’ के आधार पर करते हैं, जिसमें असमय मृत्यु तथा बीमारी या अक्षमता के कारण खोए स्वास्थ्य जीवन-वर्ष शामिल हैं। समय रहते प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप से अरबों स्वस्थ जीवन-वर्ष बचाए जा सकते हैं।

17 प्रमुख खतरों की पहचान: अक्तूबर 2026 में बर्लिन के विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन में प्रस्तुत लैंसेट आयोग की रिपोर्ट ने मानव स्वास्थ्य के सामने 17 प्रमुख खतरों की पहचान की है। आयोग ने 204 देशों और क्षेत्रों के आँकड़ों का अध्ययन कर जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, महामारी, दवा प्रतिरोध, कुपोषण, मोटापा, आर्थिक असमानता और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर चुनौतियाँ बताया है। परमाणु युद्ध और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग भी संभावित अस्तित्वगत खतरें माने गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापवृद्धि को 4.4 डिग्री के

बजाय लगभग 1.8 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने से वर्ष 2025 से 2100 के बीच करीब 189 करोड़ स्वस्थ जीवन-वर्ष बचाए जा सकते हैं। यह विभिन्न परिदृश्यों पर आधारित अनुमान है, जिसमें विस्थापन और मानसिक स्वास्थ्य जैसे अप्रत्यक्ष प्रभाव पूरी तरह शामिल नहीं हैं। निष्कर्ष स्पष्ट है कि ऊर्जा, परिवहन, औद्योगिक उत्सर्जन और



सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी वर्तमान नीतियाँ भविष्य की स्वास्थ्य क्षति निर्धारित करेंगी।

गर्मी और प्रदूषण से बढ़ती मौतें: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण से प्रतिवर्ष लगभग 70 लाख असमय मौतें होती हैं। प्रदूषित हवा के सूक्ष्म कण हृदय रोग, पक्षाघात, श्वसन संबंधी बीमारियों और फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ाते हैं। वर्ष 2025 की लैंसेट काउंटडाउन रिपोर्ट के अनुसार 1990 के दशक की तुलना में गर्मी से संबंधित मृत्यु दर 23 प्रतिशत बढ़ी है।

भारत में स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद के अध्ययन के अनुसार देश के 734 जिलों में से 417, अर्थात लगभग 57 प्रतिशत, अत्यधिक गर्मी के उच्च अथवा बहुत उच्च जोखिम में हैं। इन क्षेत्रों में देश की लगभग 76 प्रतिशत आबादी रहती है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र

के अनुसार वर्ष 2024 में लू के 48,156 सदस्थ मामले और गर्मी से संबंधित 430 मौतें दर्ज हुईं, जिनमें 161 पुष्ट तथा 269 सदस्थ थीं।

वास्तविक स्वास्थ्य प्रभाव इससे कहीं व्यापक हो सकते हैं। अत्यधिक गर्मी से किसान, निर्माण श्रमिक, खुले में काम करने वाले मजदूर, बुजुर्ग और बीमार व्यक्ति सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। निर्जलीकरण, गुदों की समस्याएँ और हृदय संबंधी जटिलताएँ बढ़ती हैं। शहरों में कंक्रीट, घटती हरियाली और रात में ऊँचा तापमान संकट बढ़ाते हैं। इसलिए हरित क्षेत्र, स्वच्छ ऊर्जा और गर्मी से बचाव को स्वास्थ्य तथा नगर नियोजन की प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। **रोगाणुओं पर बेअसर होती दवाएं:** लैंसेट आयोग ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध को वैश्विक स्वास्थ्य का गंभीर खतरा बताया है। यह स्थिति तब पैदा होती है जब रोगाणुओं पर उपचार में प्रयुक्त दवाएँ बेअसर होने लगती हैं। एंटीबायोटिक का अनावश्यक इस्तेमाल, अस्पतालों में संक्रमण नियंत्रण की कमी, पशुपालन में दवाओं का दुरुपयोग और पर्यावरण प्रदूषण इसके प्रमुख कारण हैं।

बढ़ता तापमान, बाढ़ और दुष्पित जल प्रतिरोधी रोगाणुओं का प्रसार बढ़ा सकते हैं। इससे सामान्य संक्रमणों का उपचार कठिन और महंगा हो सकता है। शल्य चिकित्सा तथा कैंसर उपचार भी प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए दवाओं का विवेकपूर्ण उपयोग, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण अत्यंत आवश्यक हैं।

हिमालय में जलवायु संकट के अतिरिक्त खतरें: हिमालयी राज्यों में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तापमान वृद्धि से कहीं व्यापक है। हिमनदों का पिघलना, अतिवृष्टि, भूस्खलन और प्राकृतिक जलस्रोतों का सूखना जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियाँ हैं। अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (इसीमोड) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार हिंदुकुश हिमालय में 2011-2020 के दौरान हिमनदों के पिघलने की गति पिछले दशक से 65 प्रतिशत अधिक रही।

साथ जोड़कर स्वास्थ्य पर्यटन का अलग मॉडल विकसित किया है। चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और बंगलूरु भी जटिल चिकित्सा के बड़े केंद्र हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत की चिकित्सा क्षमता का अंतरराष्ट्रीय महत्व भी बढ़ा है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार, 2024 में 6.44 लाख से अधिक विदेशी नागरिक चिकित्सा उद्देश्य से भारत आए।

दुनिया भारत को उपचार केंद्र के रूप में देखने लगी है। लेकिन यहीं विरोधाभास है। विदेशी मरीज इसलिए भारत आते हैं, क्योंकि यहां विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध है, जबकि भारतीय नागरिक अपना शहर छोड़कर दूसरे शहर इसलिए जाते हैं, क्योंकि उसके क्षेत्र में वही सुविधा उपलब्ध नहीं है। भारतीय मरीज की मजबूरी वाली यात्रा स्वास्थ्य सुविधाओं के असमान वितरण का संकेत है, जिसे दूर किया जाना चाहिए। पर्यटन के ये आंकड़े स्वास्थ्य नीति में दर्ज होने चाहिए कि किस जिले से कितने मरीज इलाज के लिए बाहर जाते हैं और किन बीमारियों के लिए जाते हैं।

इससे स्वास्थ्य में वित्तीय निवेश की योजना को तय करना आसान होगा। भारत को चिकित्सा पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनना चाहिए। इससे रोजगार, निवेश, विदेशी मुद्रा और सेवा क्षेत्र को लाभ मिलेगा। लेकिन स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक परीक्षा इस बात से होगी कि एक सामान्य नागरिक को अच्छे इलाज के लिए कितनी दूर जाना पड़ता है। बड़े चिकित्सा केंद्रों की विशेषज्ञता को छोटे शहरों और जिलों से जोड़ना होगा। चिकित्सा पर्यटन भारत की आर्थिक शक्ति बन सकता है, लेकिन इलाज की दूरी कम करना उसकी सामाजिक शक्ति की पहचान होगी।

आज का राशिफल

मेष

आज,मानसिक तनाव रह सकता है । करियर और कामकाज में आपके ऊपर जिम्मेदारी बढ़ने वाली है ।आपके ऊपर कुछ जरूरी काम की वजह से काम को जल्दी खत्म करने का दबाव रह सकता है ।कमाई बनी रहेगी लेकिन खर्च में इजाफा हो सकता है ।

मिथुन

आज,काम का दबाव अधिक रहेगा ।आर्थिक मामलों में आपको अपनी योजनाओं के अनुसार लाभ नहीं मिलने से निराशा हो सकती है ।काम का दबाव अधिक रहेगा लेकिन लेकिन प्रतिफल का संयोग बना है ।लेनदेन से संबंधित कोई पुराना मामला सुलझ सकता है ।

सिंह

आज,सकारात्मक संवाद के फायदा मिलेगा ।कार्यक्षेत्र में दूरगामी सोच और सकारात्मक संवाद के फायदा मिलेगा ।सरकारी क्षेत्र के काम में सफलता का संयोग बनेगा ।आय व्यय के बीच संतुलन बनाए रख घने में सफलता मिलेगी ।पारिवारिक जीवन में घर के बड़ों से आपको सहयोग मिलेगा ।आपका सामाजिक दायरा बढेगा ।

वृष

आज,संपर्क का फायदा मिलेगा ।आपको राजनीतिक और सामाजिक संपर्क का फायदा मिलेगा ।नौकरी में विपरीतलिंगी साथी सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा ।साझेदारी के काम में अपनी आंखें खोलकर रखें ।अवानक खर्च का संयोग बन सकता है ।जीवनसाथी की अपेक्षाओं का ध्यान रखना होगा ।

कर्क

आज लाभ मिलने से प्रसन्नता होगी ।दिन सामान्य रूप से अनुकूल रहेगा ।आपको वस्त्र और सुख साधन मिलने का संयोग बना है ।बिजनेस में आपको लाभ मिलने से प्रसन्नता होगी ।नौकरी में आपको प्रबंधन और अनुभव का लाभ मिलेगा ।

कन्या

आज,पुराने लेनदेन निपटा पाएंगे ।आर्थिक मामलों में दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा ।आप अपने पुराने लेनदेन निपटा पाएंगे ।कारोबार में व्यावहारिकता और कुशल वाणी का लाभ मिलेगा ।किसी दीर्घकालीन योजना पर निवेश कर सकते हैं ।कुछ अनचाहे खर्च भी होंगे ।

तुला

आज,नया काम शुरू कर सकते हैं ।आपका सामाजिक दायरा बढेगा ।लोग आपकी बातों पर गौर करेंगे और आपसे सलाह मांग सकते हैं ।कारोबार करने वाले जातको को आर्थिक लाभ मिलेगा ।आप अपने काम को विस्तार दे सकते हैं ।कोई नया मौका आपका दरवाजा खटखटा सकता है ।आप कुछ नया काम भी शुरू कर सकते हैं ।

धनु

आज,पैतृक पक्ष से लाभ मिलेगा ।आपके लिए सामाजिक क्षेत्र में दिन अनुकूल रहेगा ।किसी से अप्रत्याशित रूप से सहयोग मिल सकता है ।पैतृक पक्ष से लाभ मिलेगा ।राजनीति और सरकारी क्षेत्र से संबंधित काम में आपको सफलता मिलेगी ।आर्थिक पक्ष आपका संतुलित बना रहेगा ।पारिवारिक जीवन में आपको सहनशील रहना होगा ।

कुंभ

आज,अनचाहे खर्च से चिंता हो सकती है ।आपको अपने काम के प्रति अधिक सजग रहना होगा ।किसी तकनीकी समस्या की वजह से परेशानी हो सकती है ।अनचाहे खर्च से चिंता हो सकती है ।ऋय विक्रय के काम में आपको सतर्क रहना होगा ।यात्रा और हेल्थ पर भी खर्च होने का योग बनता दिखा रहा है ।

अधिक उत्सर्जन की स्थिति में शताब्दी के अंत तक वर्तमान हिमनद आयतन का लगभग 80 प्रतिशत समाप्त हो सकता है। उत्तराखंड में जलस्रोतों की कमी से पेयजल संकट, जबकि बाढ़ और भूस्खलन से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बाधित हो सकती है। सड़कें टूटने पर गर्भवती महिलाओं और गंभीर रोगियों को समय पर उपचार मिलना कठिन हो जाता है। बदलते मौसम से मच्छरजनित रोगों, जलजनित संक्रमणों और आपदाओं से उत्पन्न मानसिक समस्याओं की निगरानी भी आवश्यक है। इसलिए हिमालयी जलवायु अनुकूलन योजनाओं में स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

आर्थिक असमानता का संकट: लैंसेट आयोग के अनुसार प्रभावी नीतियों से 2100 तक मोटापे से संबंधित लगभग 2,310 करोड़, शिक्षा सुधार से 1,610 करोड़ और आय असमानता घटाने से 1,380 करोड़ स्वस्थ जीवन-वर्षों की संभावित क्षति रोकी जा सकती है। ये स्वतंत्र मॉडल आधारित अनुमान हैं, जिन्हें जोड़ना उचित नहीं है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आकलन के अनुसार 2030 से 2050 के बीच जलवायु परिवर्तन के कारण कुपोषण, मलेरिया, अतिशय और गर्मी से प्रतिवर्ष लगभग ढाई लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। यह केवल चयनित स्वास्थ्य जोखिमों का अनुमान है, समग्र मृत्यु संख्या का नहीं।

नीतिगत परिवर्तन जरूरी: जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न स्वास्थ्य संकट का सामना केवल अस्पतालों की संख्या बढ़ाकर नहीं किया जा सकता। इसके लिए ऐसी सक्षम स्वास्थ्य व्यवस्था आवश्यक है, जो अत्यधिक गर्मी, बाढ़, महामारी, जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी प्रभावी बनी रहे। भारत में जिला स्तर पर गर्मी से बचाव की कार्ययोजनाएँ, सुरक्षित पेयजल, रोग निगरानी, आपदा-सुरक्षित अस्पताल, सुदृढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं और समयबद्ध चेतावनी प्रणाली विकसित करना जरूरी है।

खुले में काम करने वाले श्रमिकों के लिए सुरक्षित कार्य अवधि, विश्राम, छाया और पेयजल की व्यवस्था भी स्वास्थ्य नीति का हिस्सा होनी चाहिए।.

वर्ग पहेली 6244												
1	2		3	4	5							
6			7	8								
9			10		11					12		
			13			14	15					
16	17					18						
					19		20					
		21	22				23					
24					25							
संकेत: बार्द से दाएं 19६5 को इस देश में स्वतंत्रता लागू हुआ था (4) - चतुर, होशियार, प्रवीण, प्रसन्न (3) - सर्वसाधारण, लोक, पुराणानुसार पांचवां लोक जहां से मनुष्य उत्पन्न होते है (2) - आत्मक, भव (4) - सन्निवृत्त नहीं, निष्कल नहीं (3) - प्रेम, प्यार, मोहब्बत (2) - नजदीक, करीब, समीप, निकट (2) - मूर्त की जाति का एक प्रसिद्ध पथी, कविज्ञ (3) - चर्यडे अर्थाद का कोड़ा यह कहलाता है (3) - किस्ती का नाम किसी बात, आदि के लिए निश्चित किया जाना (5) - अखबार, दस्तावेज आदि का विधिक पत्र, समाचार पत्र (3) - मुझे (मराठी)(2) - भूल आदि साफ करने की वस्तु (3) - खोने, चांदी आदि पर बहनावा जाने वाला रंगीन बाल (2) - चर्यडे से नीचे - इस इलाके में प्रतिष्ठित की कारेवाई का विस्मय निश्चय जाता है (5) - स्वीकार करना, धारण की स्थिर करना, सम्मान करना (3) - स्मरण, स्मृति (2) - पुराणानुसार यह अक्सरओं की जननी है (4) - सो का सूक्ष्म अंक (2) - निराकरण, निपटिर्, एक कृषि उपकरण (2) - अनुद्धि, अनुचित, अपवित्र, वेदान (3) - यह मसम्बल भारत के उत्तर पश्चिम में तथा पाकिस्तान के दक्षिण-पूर्व में स्थित है (2) - स्वन्तार, परिवर्तन (4) - यह हंगरी की राजधानी है (4) - आकाश, अंतरिधि, आसमन (2) - नाती का अपभ्रंश, पात्र, गर्दन (2) - दुर्लभापूर्वक वेदना, तल्ल पछर्घ का ठोस रूप में बदलना (2) - किंग्, परतु, डैन, लेकिन (2)												
वर्ग पहेली 6243 का हल												
स	ओ	व	अ	दी		अ	दा					
अ	स	न		र	म	आ	न					
की		अ	न	ता		न	व					
व	क्ष		वा	द		यु						
	हि		टी	आ	व	क						
अ		र	शि	क								
स	हि	त		ता	र	पी	न					
म	त		आ	र	ना		ट					

वृश्चिक

आज,भावुकता पर कंट्रोल जरूरी है ।आपको शिक्षा और प्रबंधन कार्य में भाग्य का विशेष सपोर्ट मिलेगा ।तकनीकी काम में भी आप सफलता प्राप्त कर पाएंगे ।कमाई आपकी सामान्य रूप से बनी रहेगी और आप जरूरतों के साथ ही साथ पुण्य कार्यों में भी खर्च कर पाएंगे ।

मकर

आज,अधिकारी वर्ग का सपोर्ट बना रहेगा ।आपका कारोबार व्यापार सफल रहने वाला है ।आपको कोई बड़ी डील मिल सकता है ।नौकरी में अधिकारी वर्ग का सपोर्ट बना रहेगा ।खर्च पर कंट्रोल करना होगा जबकि कमाई सामान्य रूप से बनी रहेगी ।पारिवारिक मामलों में व्यय बढेगा ।पिता से आपको लाभ मिल सकता है ।

आज,आपसी प्रेम और तालमेल बना रहेगा ।विदेशी क्षेत्र से आपको फायदा मिल सकता है ।वरिष्ठ अधिकारियों से भी सपोर्ट प्राप्त होगा ।कमाई में वृद्धि होगी ।धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में भाग ले पाएंगे ।शौक की चीजों पर आप धन खर्च कर पाएंगे ।पारिवारिक जीवन में आपसी प्रेम और तालमेल बना रहेगा ।

संक्षिप्त	समाचार
30 नवंबर तक निपटा लें पेंशनभोगी	
यह काम, चूके तो अटक सकती है हर महीने मिलने वाली पेंशन	
	
नई दिल्ली, एजेंसी। देश के करोड़ों पेंशनभोगियों के लिए हर साल एक बेहद जरूरी प्रक्रिया पूरी करने का समय आ गया है। यदि आपने समय रहते अपना डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा नहीं किया, तो आपकी पेंशन रुक सकती है। पेंशन और पेंशनभोगियों के कल्याण विभाग के नियमों के अनुसार, इसके लिए अलग-अलग आयु वर्ग के हिसाब से तारीखें तय की गई हैं। जीवन प्रमाण एक सरकारी डिजिटल सुविधा है, जो पेंशनभोगियों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वार्षिक जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की अनुमति देती है। इससे बुजुर्गों को बार-बार बैंक शाखाओं के चक्कर काटने से राहत मिलती है। 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के अति-वृद्धि नागरिकों के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की खिड़की एक अक्तूबरसे खुल चुकी है।	
80 वर्ष से कम उम्र के अन्य सभी पेंशनभोगी एक नवंबर से 30 नवंबर के बीच अपना प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। सभी पेंशनभोगियों के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की अंतिम तारीख 30 नवंबर निर्धारित की गई है। अब बुजुर्गों को लंबी लाइनों में लगने की जरूरत नहीं है। सरकार की जीवन प्रमाण सुविधा के जरियेआप अपने एंड्रॉइड स्मार्टफोन से ही घर बैठे डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बना सकते हैं। जरूरी चीजें- आपका आधार नंबर, पेंशन पेमेंट ऑर्डर नंबर, सक्रिय मोबाइल नंबर और बैंक खाते का विवरण।	
नेटफिलक्स में बड़ी छंटनी की खबर ! करीब 1,000 कर्मचारियों की जा सकती है नौकरी	
नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की बड़ी स्ट्रीमिंग कंपनियों में शामिल नेटफिलक्स करीब 1,000 कर्मचारियों की नौकरियों में कटौती करने जा रही है। यह संख्या कंपनी की ग्लोबल वर्कफोर्स का लगभग 6 प्रतिशत है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 के बाद नेटफिलक्स में छंटनी का यह सबसे बड़ा दौर है। कंपनी के को-सीओ ग्रेग पीटर्स और टेड सारंडेस ने बुधवार सुबह कर्मचारियों को ईमेल भेजकर इस फैसले की जानकारी दी। खास बात यह है कि कंपनी अपने तीसरी तिमाही के नतीजे घोषित करने से करीब एक सप्ताह पहले यह कदम उठा रही है।	
नेटफिलक्स में किन विभागों पर पड़ेगा छंटनी का असर: रिपोर्ट के अनुसार, छंटनी का सबसे ज्यादा असर प्रोडक्ट, टेक्नोलॉजी, लीगल और एचआर विभागों पर पड़ सकता है। पिछले साल के अंत तक नेटफिलक्स में करीब 16,000 फुल-टाइम कर्मचारी काम कर रहे थे। कंपनी के प्रमुखों ने कर्मचारियों से कहा कि नेटफिलक्स अपने कारोबार के उन क्षेत्रों में निवेश जारी रखेगी, जहां से सबसे ज्यादा फायदा मिलने की उम्मीद है। हालांकि, इसके लिए कर्मचारियों और पैसों के इस्तेमाल को लेकर ज्यादा सोच-समझकर फैसले लेने होंगे। कंपनी ने यह भी कहा है कि वह पूरे साल की कमाई के अपने अनुमान को पूरा करने की राह पर है।	
नेटफिलक्स में इससे पहले जून 2022 में बड़े स्तर पर छंटनी हुई थी। उस समय कंपनी ने एक दशक से अधिक समय में पहली बार किसी तिमाही में अपने सब्सक्राइबर्स की संख्या में गिरावट दर्ज की थी। इस बार भी कंपनी ऐसे दौर में कर्मचारियों की संख्या घटा रही है, जब उसके शेयरों पर दबाव है और दशकों की देखने की आदतों में अपेक्षित तेजी नहीं दिख रही है।	
सब्सक्राइबर्स हैं, लेकिन देखने का समय बढ़ाना चुनौती नेटफिलक्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल ग्राहक बनाए रखने की नहीं, बल्कि उन्हें ज्यादा समय तक अपने प्लेटफॉर्म पर बनाए रखने की भी है। कंपनी के पास करीब 32.5 करोड़ पेड मेबर्स हैं। अमेरिका में नेटफिलक्स की सब्सक्रिप्शन कैसिलेशन दर 2 प्रतिशत से थोड़ी ज्यादा है, जो इंडस्ट्री में सबसे कम बताई गई है। हालांकि, दशकों के देखने के कुल समय में बढ़ोतरी धीमी रही है।	

एयरटेल: सैटेलाइट इंटरनेट की कतार में मस्क से काफी आगे हूं, तीन साल से ढांचा तैयार, सुनील भारती का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टारलैंक को सैटेलाइट लाइसेंस मिलने में देरी संबंधी आरोपों पर भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने एलन मस्क पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने मस्क के एकाधिकार के दावों समेत सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है और कहा कि सैटेलाइट लाइसेंस मिलने की कतार में मैं मस्क से काफी आगे हूं लेकिन मैं भी अभी इंतजार ही कर रहा हूं। अगर मस्क से कुछ दिन पहले भी हमें मंजूरी मिल जाए तो हमें बेहद खुशी होगी। सुनील ने नई दिल्ली में ब्लूमबर्ग न्यू इकोनमी फोरम में यह बातें कहीं।

एलन मस्क सोशल मीडिया पर कर रहे शिकायत

दरअसल, पिछले कुछ दिनों से अमेरिकी अरबपति कारोबारी एलन मस्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पक्स पर लगातार शिकायत कर रहे थे कि भारत में उनकी सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलैंक को फाइनल कमर्शियल मंजूरी मिलने में बहुत देरी हो रही है। मस्क ने परोक्ष रूप से आरोप

कभी सिर्फ 760 रुपये लेकर पहुंचे थे कनाडा, अब 53000 करोड़ में खरीदा आईडीबीआई बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद के एक मिडिल क्लास परिवार में जन्मे प्रेम वत्स आज कनाडा की वित्तीय दुनिया के बड़े नामों में शामिल हैं। जब वह कनाडा पहुंचे, तो उनकी जेब में सिर्फ 8 डॉलर (आज के समय के हिसाब से करीब 760 रुपये) होने का किस्सा काफी चर्चित है। आज वह फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स के चेयरमैन और सीईओ हैं। निवेश की लंबी अवधि वाली रणनीति के कारण प्रेम वत्स को कनाडा का वॉरेन बफे भी कहा जाता है।

प्रेम वत्स फिर से चर्चा में आ गए हैं क्योंकि सरकार ने उस विदेशी कंपनी के नाम पर मुहर लगा दी है जो देश के बड़े बैंकों में शामिल आईडीबीआई बैंक को खरीदेगी। कनाडा की इस कंपनी का नाम फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स है। यानी प्रेम वत्स की कंपनी की आईडीबीआई बैंक को करीब 53 हजार करोड़ रुपये में खरीद रही है। प्रेम वत्स का जन्म 5 अगस्त 1950 को हैदराबाद में हुआ था। उन्होंने 1971 में आइआइटी मद्रास से कैमिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। इसके बाद वह कनाडा चले गए और वेस्टर्न ऑटोरियो यूनिवर्सिटी से एमबीए किया।

केंद्रीय कर्मचारियों को दिवाली पर मिलेगा डीए का तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को जुलाई 2026 से लागू होने वाले महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में बढ़ोतरी का इंतजार है। उम्मीद थी कि 14 अक्टूबर 2026 को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में सरकार डीए में बढ़ोतरी का ऐलान कर सकती है, लेकिन बैठक में इस पर कोई घोषणा नहीं हुई। ऐसे में अब कर्मचारियों की नजर सरकार के अगले फैसले पर टिकी है। त्योहारी सीजन को देखते हुए कर्मचारियों को उम्मीद है कि सरकार दिवाली से पहले डीए बढ़ोतरी का ऐलान कर सकती है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, कैबिनेट ने इसी बैठक में एलिजबल रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का प्रोडक्टिविटी लिंकड बोनस देने और नेशनल सोशल असिस्टेंस प्रोग्राम को अगले पांच साल तक जारी रखने की मंजूरी दी है। ऐसे में सवाल है कि क्या केंद्रीय कर्मचारियों को दिवाली से पहले डीए बढ़ोतरी का तोहफा मिलेगा और महंगाई भत्ते में कितनी बढ़ोतरी हो सकती है।

मार्क जकरबर्ग ने आयरलैंड में की साल की सबसे बड़ी प्रॉपर्टी डील



नई दिल्ली, एजेंसी। फेसबुक के फाउंडर और दुनिया के टॉप रईसों में शामिल मार्क जकरबर्ग ने आयरलैंड में इस साल की सबसे बड़ी प्रॉपर्टी डील की है। जकरबर्ग और उनकी पत्नी प्रिसिला चान ने आयरलैंड के काउंटी वाटरफोर्ड में 16,000 वर्ग फुट के गोथिक-शैली वाले स्ट्रैकली कैसल के लिए 57 मिलियन डॉलर का भुगतान किया है।

यह इस साल आयरलैंड में किसी एक आवासीय संपत्ति के लिए चुकाई गई सबसे बड़ी कीमत है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक काउंटी वाटरफोर्ड के स्ट्रैकली कैसल में स्थित स्ट्रैकली कैसल की बिक्री 17 अगस्त को पूरी हुई। इस हवेली और इसकी 440 एकड़ की संपत्ति की अनुमानित कीमत 20 से 30 मिलियन यूरो बताई गई थी। लेकिन मार्क जकरबर्ग ने इससे कहीं ज्यादा कीमत चुकाई है। ब्लूमबर्ग

लिगलांथ नेयर इंडेक्स के मुताबिक जकरबर्ग की नेटवर्थ 261 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पांचवें नंबर पर हैं।



प्रभाव का इस्तेमाल कर स्टारलैंक का रास्ता रोक रहे हैं। इस पर सुनील मित्तल से जब पूछा गया तो उन्होंने मस्क के दावों को नकारते हुए साफ किया कि देरी किसी भेदभाव के कारण नहीं, बल्कि भारत सरकार की सख्त सुरक्षा जांच और नियमों की वजह से हो रही है, जिसका सामना सभी को करना पड़ रहा है।

अर्थ/बाजार

साल 1974 में उन्होंने कन्फेडरेशन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में नौकरी शुरू की। यहां उन्होंने निवेश और शेयर बाजार की बारीकियां सीखीं। कुछ साल बाद उन्होंने



अपनी निवेश कंपनी शुरू की और साल 1985 में फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की स्थापना की। **कनाडा पहुंचे तो जेब में थे सिर्फ 8 डॉलर:** प्रेम वत्स की जिंदगी का शुरुआती दौर आसान नहीं था। उनकी कहानी से जुड़ा एक चर्चित किस्सा है कि जब वह कनाडा पहुंचे, तो उनके पास सिर्फ 8 डॉलर थे। विदेश में नए सिरे से जिंदगी शुरू करना और अपने लिए करियर बनाना उनके सामने बड़ी चुनौती थी। हालांकि, उन्होंने मुश्किलों के सामने हार नहीं मानी।

हम सबके ऊपर एक ईश्वर है, एक न एक दिन न्याय जरूर होगा: विजय माल्या

नई दिल्ली, एजेंसी। बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के फाउंडर और यूनाइटेड ब्रअरीज ग्रुप के पूर्व चेयरमैन विजय माल्या पर बैंकों के साथ हजारों करोड़ रुपये की हेराफेरी करने का आरोप है। हालांकि उनका दावा है कि बैंक उनसे बकाये से ज्यादा वसूलूी कर चुके हैं। उन्होंने बैंकों से बकाया लौटाने की मांग की थी। लेकिन एसबीआई की अगुवाई वाले बैंकों के ग्रुप ने हाल में बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया था कि अगस्त तक माल्या से लगभग 8,752 करोड़ रुपये वसूल किए जाने बाकी थे। इस बीच माल्या ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। इसके साथ ही उन्होंने कर्नाटक उच्च न्यायालय की एक डिवीजन बेंच द्वारा पारित आदेश भी लगाया है। माल्या ने कहा, कर्नाटक उच्च न्यायालय की एक डिवीजन बेंच द्वारा पारित आदेश। मेरी आपसे विनम्र प्रार्थना है कि इसे ध्यानपूर्वक पढ़ें। क्या मैं



अभी भी चोर या धोखेबाज हूं मैंने अपने ही पैसों से राजाओं जैसी शानदार जिंदगी जी और यही मेरा सबसे बड़ा अपराध बन गया। इसके लिए मुझे सजा दी जा रही है। हम सबके ऊपर एक ईश्वर है। एक न एक दिन न्याय जरूर होगा।

वयों कहते हैं कनाडा का वॉरेन बफे

प्रेम वत्स ऐसी कंपनियों में लंबे समय के लिए निवेश करने पर जोर देते हैं, जिनमें उन्हें भविष्य में बेहतर संभावनाएं दिखाई देती हैं ।उनकी निवेश शैली अमेरिकी अरबपति वॉरेन बफे की वेंच्यू इन्वेस्टिंग से मिलती –जुलती है ।इसी वजह से उन्हें यह उपनाम मिला ।

भारत में भी बड़ा निवेश

फेयरफैक्स का भारत से भी कारोबारी जुड़ाव है ।कंपनी की भारतीय इकाई केरल के हरस्कूबैक में बड़ी हिस्सेदारी रखती है । इसके अलावा इड्डुसरुकेपिटल और बेंगलुरु के कैम्पेगोड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़े कारोबार में भी उसका निवेश है ।

किन्नी है प्रेम वत्स की नेटवर्थ

फोर्ब्स के अनुसार, प्रेम वत्स की संपत्ति करीब 2.6 अरब डॉलर आकी गई है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 24800 करोड़ रुपये के बराबर बैठती है ।हालाकि, अरबपतियों की संपत्ति शेयर बाजार और निवेशों के मूल्य में बदलाव के साथ घटती –बढ़ती रहती है ।वह कनाडा के सबसे अमीर भारतीयों में शामिल हैं । उनकी उपलब्धियां सिर्फ व्यक्तिगत संपत्ति तक सीमित नहीं हैं । भारत और कनाडा के बीच कारोबारी संबंधों में भी उनका नाम महत्वपूर्ण माना जाता है ।उन्हें भारत सरकार की ओर से पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है ।

● **बैंकों का तर्क :** लंदन में रह रहे विजय माल्या ने हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर अपने खिलाफ आपराधिक मामलों को खारिज करने की मांग की थी । उन्होंने तर्क दिया था कि बैंकों के साथ उनका विवाद सुलझ गया है क्योंकि बैंकों ने अपना पूरा बकाया वसूल कर लिया है । लेकिन एसबीआई की अगुवाई वाले बैंकों के ग्रुप ने हाल में बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया था कि अगस्त तक माल्या से लगभग 8,752 करोड़ रुपये वसूल किए जाने बाकी थे, जबकि डेट रिकवरी ऑफिसर अब तक 10,270 करोड़ रुपये वसूल कर चुके हैं । बैंकों ने कोर्ट को यह भी बताया कि इस मामले में अटैच किए गए कुछ शेयर अभी भी सुरक्षित हैं और उन्हें बेचा नहीं गया है । बैंकों ने

वृद्धि दर: भारत की जीडीपी कार्यप्रणाली को आईएमएफ का समर्थन, कहा- विकास का स्वागत
नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने गुरुवार को भारत की अद्यतन सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) गणना कार्यप्रणाली का समर्थन करेला। आईएमएफ ने कहा कि यह कार्यप्रणाली सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के अनुरूप है। यह आईएमएफ की सलाह के पूरी तरह सुसंगत है। आईएमएफ के एशिया और प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने इसे स्वागत योग्य कदम बताया। उन्होंने बैंकोंक में पत्रकारों से कहा कि अद्यतन कार्यप्रणाली आईएमएफ के सांख्यिकी विभाग की सलाह से पूरी तरह मेल खाती है। श्रीनिवासन ने यह भी बताया कि भारत ने जो किया है, वह अच्छी कार्यप्रणालियों के सुसंगत है। श्रीनिवासन ने सुधार की गुंजाइश स्वीकार की, लेकिन एमओएसपीआई के प्रयासों की सराहना की। आईएमएफ के सांख्यिकी विभाग ने भी इस कार्यप्रणाली को समर्थन दिया है। **ऊर्जा संकट और विनिमय दर पर भारत की प्रतिक्रिया कैसी रही:** आईएमएफ के अधिकारी ने कहा कि भारत ने मजबूत बुनियादी सिद्धांतों के साथ ऊर्जा संकट का सामना किया। भारत ने इस संकट पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है।

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH JAL SHAKTIVIBHAG					
"NOTICE INVITING e-TENDER"					
The Executive Engineer, Jal Shakti Division, Dharampur Distt. Solan H.P. invites e-tenders on behalf of Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors/ firms for the following work through e-tendering process:					
Sr. No.	Name of Work	Estimated Cost Rs	Earnest Money	Stipulated Time Limit	Cost of tender Forms
1.	Construction of Kaushhya Dam near Datar, Tehsil Kasauli, Distt. Solan (H.P.)	14,64,24,430/-	15,39,250/-	30 Months	20,000/-
Bid Submission start date and time :- From 15.10.2026, 06:00 PM Bid Submission end date and time :- Up to 22.10.2026, 11:00 AM Date of opening Bid Le eligibility criteria:- 22.10.2026 at 11:30 AM The tender forms and other details can be obtained from website http://hptenders.gov.in. HIM SUCHNA AVAM JAN SAMPARK Executive Engineer Jal Shakti Division, Dharampur, Distt. Solan H.P.					
R.No.4143/2026-2027					

उत्तर रेलवे				
ई-निविदा सूचना				
वर्कशॉप इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (आई/सी) उत्तर रेलवे, जगधरी वर्कशॉप, यमुनानगर, हरियाणा—135002, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से केवल निम्नालिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करता है :-				
कार्य का नाम	568 दिनों में दुकानों (शॉप्स) और स्टोर शिफो के बीच रकड़ (कबाड़) निपटान तथा गई सामग्री के कार्य का आउटसोर्सिंग ।			
निविदा प्रकार	खुला	बोली प्रणाली	एकल पैकेट प्रणाली	
निविदा विक्रय समापन तिथि	29.10.2026 प्रातः 11:30 बजे	निविदा अपलोड करने की तिथि एवं समय		14.10.2026 17:34
पूर्व-बोली आवश्यक है	नहीं	आज तक प्री-बिड क्वेरी		ना
विज्ञापन मूल्य	रु. 11,83,838.66/- सभी कर जीएसटी आदि सहित ।	निविदा अनुमान		टेडर एवं वर्कशॉ इलेक्ट्रिकल शाखा जगधरी वर्कशॉप
अग्रिम धन	रु. 23,700/-	ऑफर की वैधता		60 दिन
निविदा दस्तावेज लागत	NA (अप्रैल 2022 के भाग— खंड संख्या 3 के अनुसार)	समापन की अवधि		568 दिन
बोली आरंभ तिथि	15.10.2026	बोली समाप्ति तिथि		29.10.2026 प्रातः 11:30 बजे
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	उसके बाद किसी भी समय निविदा को बंद किया जा सकता है । निविदाकर्ताओं को उद्घाटन के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है । निविदा बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोलने का अधिकार रेलवे के पास सुरक्षित है ।			
वेबसाइट	www.iireps.gov.in पर जाएं			
56/W/Elect/24-25/T/IRT रकड़ निपटान				3594/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ				

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व.मं.या. अभि./कै. एवं वै. अम्बाला के द्वारा ई टेंडर संख्या 116S-WC-33-MC-4-2026-27 के अंतर्गत खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसके बंद होने की तिथि व समय 05.11.2026, 11:00 है, जो उसी दिन 11:35 बजे वेबसाइट पर खोले जाएंगे। इस निविदा के अंतर्गत मनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से सम्बंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.iireps.gov.in पर देखें।

ई निविदा सूचना सं. - 116S-WC-33-MC-4-2026-27

क्र. सं.	कार्य का नाम	एटवरटाईजड वेंच्यू	घरोहर राशि	कार्य की अवधि	निविदा खुलने की तिथि
1	अम्बाला कैंट के बीसीएन (BCN) डिपो में कवर्ड वैगनों (ढक्के हुए माल डिब्बों) के लिए शावर टैरिस्टिंग (पानी की बीछर से रिसाव जांच) सुविधाओं का प्राक्कान	Rs. 34,62,120.00	Rs. 69,800.00	03 month	05.11.2026

नोट:- 1. टेंडरर द्वारा निविदा दस्तावेज के साथ सभी संबंधित दस्तावेजों को अपलोड करना आवश्यक है। 2. निविदा सूचना / निविदा दस्तावेज की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया वेबसाइट www.iireps.gov.in पर लॉग ऑन करें।

सं.: 116S-WC-33-MC-4-2026-27 दिनांक: 14.10.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

3601/2026

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व.मं.या. अभि./कै. एवं वै. अम्बाला के द्वारा ई टेंडर संख्या 116S-WC-32-MC-4-2026-27 के अंतर्गत खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसके बंद होने की तिथि व समय 05.11.2026, 11:00 है, जो उसी दिन 11:30 बजे वेबसाइट पर खोले जाएंगे। इस निविदा के अंतर्गत मनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से सम्बंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.iireps.gov.in पर देखें।

ई निविदा सूचना सं. - 116S-WC-32-MC-4-2026-27

क्र. सं.	कार्य का नाम	एटवरटाईजड वेंच्यू	घरोहर राशि	कार्य की अवधि	निविदा खुलने की तिथि
1	कैरेज एंड वैगन शिफो चंडीगढ़ में उपस्थित LWFCWAC कोचों का आधुनिकीकरण (Upgradation) करने हेतु	Rs. 49,89,605.81	Rs. 99,800.00	02 month	05.11.2026

नोट:- 1. टेंडरर द्वारा निविदा दस्तावेज के साथ सभी संबंधित दस्तावेजों को अपलोड करना आवश्यक है। 2. निविदा सूचना / निविदा दस्तावेज की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया वेबसाइट www.iireps.gov.in पर लॉग ऑन करें।

सं.: 116S-WC-32-MC-4-2026-27 दिनांक: 14.10.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

3600/2026



खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है लहसुन, डाइट में करें शामिल

भारतीय रसोई में खाने बनाने में लहसुन का खासतौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एंटी-सेप्टिक, एंटी-आक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल, एंटी-फंगल व औषधीय गुण होते हैं। इसका कच्चा सेवन करने से इम्युनिटी बूस्ट होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आयुर्वेद में भी लहसुन का इस्तेमाल कई बीमारियों के इलाज में होता है। आप इसे सब्जी में मिलाकर या कच्चा खाने की जगह पर इसका अचार बनाकर डेली डाइट में शामिल कर सकती है। चलिए जानते हैं लहसुन का अचार खाने के फायदे.

कोलेस्ट्रॉल करें कम

एक्सपर्ट्स के अनुसार, लहसुन में मौजूद औषधीय गुण शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है। ऐसे में दिल स्वस्थ रहता है।

कैंसर का खतरा करें कम

लहसुन में ऑर्गेनो-सल्फर सेरेब्रम होता है। यह ट्यूमर में जोखिम भरी कोशिकाओं में से एक को नष्ट करने में मददगार होता है। इसके सेवन से प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से बचाव रहता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसकी तेज गंध कैंसर और दिल संबंधी रोगों के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करती है।

फेफड़े का बेहतर विकास

एक्सपर्ट्स के अनुसार, हर हफ्ते कच्ची लहसुन खाने से फेफड़ों का बेहतर विकास होता है। वहीं लोग इसे कच्चा नहीं खाना पसंद करते वे लहसुन का अचार खा सकते हैं। अध्ययनों के मुताबिक फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए लहसुन एक रसायन-निवारक विशेषज्ञ की तरह काम कर सकता है।

पेट संबंधी समस्याओं से राहत

लहसुन पोषक तत्व, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व औषधीय गुणों से भरपूर होता है। आयुर्वेद के अनुसार, लहसुन खाने से अपच, गैस, एसिडिटी, कब्ज, पेट में जलन आदि पेट संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। आप इसे कच्चा खाने की जगह पर इसका अचार बना कर खा सकती है।

आंखों की सेहत रखें दुरुस्त

लहसुन इम्युनिटी बूस्ट करने के साथ आंखों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। लहसुन के अचार में बीटा कैरोटीन अधिक होने से आंखों से जुड़ी समस्याओं से बचाव रहता है।

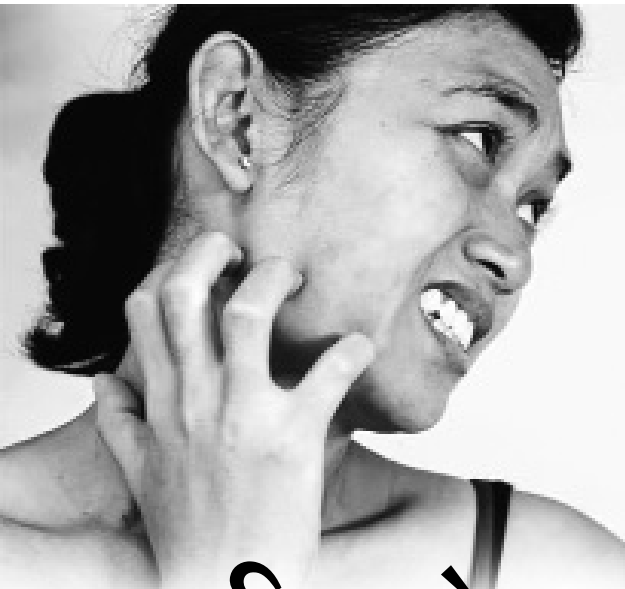
जोड़ों के दर्द में राहत

लहसुन खाने से जोड़ों के दर्द से भी राहत मिलती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, लहसुन में मौजूद पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण जोड़ों के दर्द फायदेमंद माने जाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से जोड़ों में दर्द, सूजन की से बचाव रहता है। इसके लिए आप कच्चा लहसुन, नमकीन लहसुन या इसका अचार खा सकती है।

सर्दी, खांसी व मौसमी

बीमारियों से दिलाएं आराम

सर्दी, खांसी, जुकाम व अन्य मौसमी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा अधिक रहता है। ऐसे में इस दौरान एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व औषधीय से भरपूर लहसुन का अचार खाना फायदेमंद माना जाता है। वहीं दुनियाभर में फेले कोरोना वायरस से बचने व इम्युनिटी बढ़ाने के लिए लहसुन का अचार खाना बेहद फायदेमंद माना गया है।



बढ़ते प्रदूषण, गलत खानपान व स्किन केयर में लापरवाही बरतने से होती है स्किन एलर्जी

बढ़ते प्रदूषण, गलत खानपान व स्किन केयर में लापरवाही बरतने से स्किन एलर्जी होने लगती है। इसके कारण त्वचा में खुजली, दाने, जलन, रैशेज की समस्या का सामना करना पड़ता है। कई बार तो दर्द का भी सामना करना पड़ता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, कई बार तो यह एलर्जी कुछ दिनों में ठीक हो जाती है। मगर कई मामलों में यह गंभीर रूप ले लेती है। ऐसे में किसी स्किन एक्सपर्ट्स से सलाह लेने में ही भलाई है। मगर लाइट एलर्जी को कुछ देसी उपायों द्वारा दूर किया जा सकता है।

एलोवेरा जेल

स्किन एलर्जी होने पर जलन, खुजली, रैशेज, दर्द आदि होने लगता है। आप इन समस्याओं से बचने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल कर सकती है।

एलोवेरा में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-वायरल गुण होते हैं। यह स्किन को गहराई से पोषित करके इससे जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है। इसके साथ ही त्वचा की रंगत निखरी व जवां नजर आती है। आप दिनभर में कभी भी एलोवेरा जेल से चेहरे व एलर्जी वाली जगह पर मसाज कर सकती है। सोने से पहले इसे लगाने बेस्ट माना जाता है।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल स्किन के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे लगाने से पिंपल्स, दाग, धब्बे, झाइयां, झुर्रियां आदि की समस्या से छुटकारा मिलता है। इसके साथ ही यह त्वचा को कोमलता से पोषित करके स्किन संबंधी समस्याओं से राहत दिलाता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-इंफ्लेमेट्री और एंटी-माइक्रोबियल तत्व एलर्जी की परेशानी को कम करते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, स्किन में जलन, खुजली, रेडनेस आदि एलर्जी होने पर

टी ट्री ऑयल लगाना फायदेमंद माना जाता है। इसके लिए कॉटन में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें लेकर प्रभावित जगह पर लगाएं।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर खाने के साथ स्किन के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह एक बेहतर स्किन केयर एजेंट की तरह काम करता है। इसमें मौजूद एसिटिक एसिड स्किन एलर्जी को दूर करने में कारगर होता है। स्किन में जलन, रैशेज, खुजली आदि होने पर आप एप्पल साइडर विनेगर यूज कर सकती है। इसके लिए एक कप गुनगुने पानी में 1 बड़ा चम्मच सेब का सिरका मिलाएं। तैयार मिश्रण को प्रभावित जगह पर कॉटन की मदद से लगाकर सूखने दें। बाद में ठंडे पानी से साफ करके सूखा लें। ऐसा कुछ दिनों तक करने से एलर्जी की परेशानी दूर हो जाएगी। मगर सेंसिटिव स्किन वालों को इसके इस्तेमाल से बचना चाहिए।

ब्लड प्रेशर लो हो जाने पर खानी चाहिए ये चीजें, जल्द मिलेगा आराम

लक्षणों का इलाज करने में बहुत असरदार है। बीपी लो होने पर यदि अंगूर या अंगूर का रस दिया जाए तो आराम मिलता है। अंगूर के रस में पाया जाने वाला पोटेशियम ब्लड वैसल्स वॉल को आराम देकर रक्तचाप को कम करने में मदद करता है।

पनीर – लो बीपी की समस्या होने पर पनीर खाना बेहद फायदेमंद होता है। लो बीपी होने पर अक्सर अधिक नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी जाती है। ऐसे में आप पनीर पर चाट मसाला या फिर हल्का नमक डालकर खा सकते हैं। इससे आपके शरीर को ताकत भी मिलेगी और लो बीपी की समस्या में भी राहत मिलेगी। **काँफी** – लो बीपी को मेंटेन

करने के लिए कैफीन को सबसे फायदेमंद माना गया है। यदि अचानक से बीपी लो हो जाए तो मरीज को कॉफी देने के कुछ सेकंड बाद ही वह एक्टिव हो जाता है। खासतौर से अगर ब्लैक कॉफी उपलब्ध है तो यह बेहद फायदेमंद होती है। यह आपकी हार्ट रेट को बढ़ाएगी जिससे ब्लड प्रेशर भी सामान्य हो जाएगा। **छाछ** – लो ब्लड प्रेशर के मरीज को सुबह के नाश्ते या उसके बाद छाछ का सेवन करना चाहिए। छाछ में नमक, भुना हुआ जीरा और हींग मिलाकर पिएं, इससे बीपी नियंत्रित रहेगा। **नींबू पानी** – लो ब्लड प्रेशर की समस्या में नींबू पानी में थोड़ा ज्यादा नमक डालकर पीना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। नमक ब्लड प्रेशर को बढ़ाता है जिससे लो बीपी सामान्य स्थिति में आ जाता



लो ब्लड प्रेशर एक ऐसी

स्थिति है जब व्यक्ति के

रक्तचाप के स्तर में अचानक

से कमी आ जाती है। वैसे तो

यह बहुत आम समस्या बन

गई है लेकिन इसे अनदेखा

नहीं करना चाहिए।

इस स्थिति में शरीर के सभी अंगों में ब्लड सप्लाई कम हो जाती है जो कि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे में कई बार चक्कर आना, झुंझलाहट होना, आंखों के सामने धुंधलापन, मितली, कमजोरी और थकान महसूस होने लगती



हर मौसम में लाभदायक है विटामिन-सी से भरपूर आंवला

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए –

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है,

और खून की कमी नहीं होने देता।

- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गमी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।



शरीर में ओमेगा-3 की कमी से आपको थकान, याददाश्त कमजोर होना, झाई स्किन, दिल के रोग, मूड स्विंग, तनाव, ब्लड सर्कुलेशन का बिगड़ना जैसे गंभीर लक्षण महसूस हो सकते हैं। ओमेगा-3 सबसे बढ़िया स्रोत मछली को माना जाता है। अगर आप मछली नहीं खाते हैं, तो नीचे बताए प्लांट बेस्ड फूड को अपनी डाइट में शामिल करें।

ओमेगा-3 के लिए अपनी डाइट में शामिल करें ये फूड

प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन की तरह ओमेगा-3 फैटी एसिड भी एक ऐसा पोषक तत्व है, जो शरीर और दिमाग के बेहतर कामकाज के लिए बहुत जरूरी है। ओमेगा 3 फैटी एसिड क्यों जरूरी है? एक्सपर्ट्स मानते हैं कि शरीर में इसकी कमी से त्वचा झाई हो सकती है, आप तनाव की चपेट में आ सकते हैं, आंखें झाई हो सकती हैं, जोड़ों में दर्द और अकड़न आ सकती है, बाल कमजोर और बेजान हो सकते हैं।

शरीर में ओमेगा-3

फैटी एसिड की

कमी के लक्षण?

शरीर में इस पोषक तत्व की कमी से आपको थकान, याददाश्त कमजोर होना, झाई स्किन, दिल के रोग, मूड स्विंग, तनाव, ब्लड सर्कुलेशन

का बिगड़ना जैसे गंभीर लक्षण महसूस हो सकते हैं।

शरीर को रोजाना कितने

ओमेगा-3 फैटी एसिड की

जरूरत होती है?

ऐसा माना जाता है कि एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना कम से कम 250-500 मिलीग्राम ओमेगा-3 फैटी एसिड लेना चाहिए।

क्या खाएं?

ओमेगा-3 सबसे बढ़िया स्रोत मछली को माना जाता है। लेकिन समस्या यह है कि बहुत से लोग मछली नहीं खाते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट एंड डाइटीशियन बता रही हैं कि मछली के अलावा किन-किन चीजों में ओमेगा-3 पाया जाता है।

अलसी के बीज

ये छोटे भूरे या पीले बीज ओमेगा-3 का खजाना हैं। आप ओमेगा-3 की कमी पूरी करने के लिए इसका तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। अलसी फाइबर, मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्वों का भी अच्छा स्रोत हैं। चम्मच (10.3 ग्राम) अलसी के बीज में 2,350 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

चिया के बीज

चिया के बीजहर तरह से पौष्टिक होते हैं. इनमें ओमेगा-3 के अलावा मैंगनीज, सेलेनियम, मैग्नीशियम और कुछ अन्य पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। 1-औंस (28-ग्राम) चिया सीड्स में 5 ग्राम प्रोटीन होता है, जिसमें सभी आठ आवश्यक अमीनो एसिड शामिल हैं। इतनी ही मात्रा में 5,050 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

अखरोट

अखरोट बहुत पौष्टिक होते हैं और फाइबर से भरपूर होते हैं। इसमें हाई मात्रा में तांबा, मैंगनीज और विटामिन ई जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। अखरोट के फिनोल एंटीऑक्सिडेंट गुण कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। 28 ग्राम या लगभग 14 अखरोट में 2,570 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

संक्षिप्त

समाचार

अमित पंधाल

बड़े भाई ने बॉक्सर बनाने के लिए किए त्याग

नई दिल्ली । अमित पंधाल की गिनती भारत के सबसे बेहतरीन मुक्केबाजों में की जाती है । अमित वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में देश के लिए सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले बॉक्सर बने । इसके साथ ही उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भी ‘गोल्डन पंच’ लगाया । अमित का जन्म 16 अक्टूबर 1995 को हरियाणा के रोहतक जिले के मायना गांव में हुआ । अमित को घर में ही शुरुआत से बॉक्सिंग का माहौल मिला । अमित के बड़े भाई अजय खुद बॉक्सर थे और वह निरंतर ट्रेनिंग किया करते थे । अमित को



बॉक्सिंग से परिचित और इस खेल में करियर बनाने के लिए मोटिवेट करने वाले भी उनके बड़े भाई ही थे । आर्थिक तंगी के चलते किसान पिता अमित या अजय में से किसी एक को ही बॉक्सिंग की ट्रेनिंग कराने में समर्थ थे । ऐसे में बड़े भाई ने अपने करियर का त्याग करते हुए अमित को ट्रेनिंग के लिए आगे भेजा । अमित को आर्थिक तौर पर किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े, इसलिए अजय ने भारतीय सेना जॉइन कर ली । अमित ने भी रिंग में जी-तोड़ मेहनत की और अपने भाई के भरोसे पर एकदम खरे उतरे । अमित अपनी सफलता का श्रेय बड़े भाई को ही देते हैं । अमित पंधाल साल 2017 में सबसे पहले सुर्खियों में आए, जब उन्होंने नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता ।

रिशाद हुसैन और एडम जम्पा होबार्ट हरिकेंस की स्पिन गेंदबाजी को मजबूत करेंगे

नई दिल्ली । होबार्ट हरिकेंस ने बिग बैश लीग 16 के लिए बांग्लादेश के लेग-स्पिनर रिशाद हुसैन को टीम के साथ बरकरार रखते हुए अपनी स्पिन गेंदबाजी को मजबूत किया है । टीम उन्हें ऑस्ट्रेलियाई एडम जम्पा के साथ इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है । हुसैन को दोबारा साइन करने से मौजूदा टीम को नए सीजन में एक मजबूत स्पिन कॉम्बिनेशन मिल गया है । 24 साल के इस खिलाड़ी ने बिग बैश लीग के अपने पहले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था । होबार्ट के



लिए, जम्पा को शामिल करने के बावजूद हुसैन को वापस लाना एक प्राथमिकता थी । हरिकेंस के जनरल मैनेजर-हार्ड परफॉर्मेंस सैलियन वीम्स ने कहा कि फ्रेंचाइजी में लौटने के लिए स्पिनर के उसाह ने एग्जीमैट को आसान बनाया । उन्होंने कहा, ‘रिशाद ने हमें यह बिल्कुल साफ कर दिया था कि उन्हें पिछले सीजन में होबार्ट में बिताया गया समय बहुत पसंद आया और वे वापस आना चाहते थे । यह निश्चित रूप से हमारे लिए बहुत मायने रखता था । एडम जम्पा के शामिल होने से हमारी लिस्ट थोड़ी अलग हो गई थी, लेकिन जब रिशाद जैसी क्वालिटी का खिलाड़ी हरिकेंस में लौटने के लिए इतना पक्का इरादा रखता है, तो हम ऐसा करने के हर मौके का फायदा उठाना चाहते थे ।’

विश्वजीत मोरे ने अंडर-23 रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप

जीता ‘ऐतिहासिक’ सिल्वर मेडल

लास वेगास । भारतीय पहलवान विश्वजीत रामचंद्र मोरे ने गुरुवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन कैटेगरी में भारत के लिए पहला सिल्वर मेडल जीता। अंडर-23 वर्ल्ड लेवल पर दो बार ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके मोरे पुरुषों के 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन फाइनल के आखिरी पलों में जॉर्जिया के कोबा कारुमिद्जे से 12-13 से हार गए। मोरे अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो मेडल जीतने वाले भारत के एकमात्र ग्रीको-रोमन पहलवान हैं। वह मंगलवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में फाइनल तक पहुंचने वाले भारत के पहले ग्रीको-रोमन पहलवान भी बने थे। उन्होंने तीन कड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मेक्सिको के इसाक मारिन माटा को 10-8 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिससे क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला ईरान के अंडर-20 वर्ल्ड

चैंपियन आर्मिन शमसीपौर से हुआ। शमसीपौर के कंधे में चोट लग गई थी, और मोरे ने एक ‘फोर-पॉइंटर थ्रो’ (चार अंक दिलाने वाला दांव) का इस्तेमाल करते हुए उन्हें 8-1 से हरा दिया। रूस के मलिक गिगिएव के खिलाफ सेमीफाइनल भी काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों पहलवानों को ‘चैलेंज’ (रेफरी के फैसले को चुनौती देने का मौका) का फायदा मिला। अंत में मोरे ने 6-4 से जीत दर्ज की। मोरे फाइनल में इस लक्ष्य के साथ उतरे थे कि वह अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप की ग्रीको-रोमन स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान बनेंगे। हालांकि, वह फाइनल में जॉर्जिया के पहलवान से हार गए और उनका गोल्ड जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका। जॉर्जियाई पहलवान ने भी फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में किर्गिस्तान के बार्संबेक असनकोझोएव को कड़े

मुकाबले में हराया था।

हालांकि, इससे पहले भारत के अभियान को एक प्रशासनिक बाधा का सामना करना पड़ा था। अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप (लास वेगास) के लिए भारत के नौ पहलवानों (ग्रीको-रोमन और महिला कुश्ती कैटेगरी से) को वीजा नहीं मिला, क्योंकि वे 20 साल से कम उम्र के थे और उनके पास कोई फुल-टाइम नौकरी नहीं थी।

डब्ल्यूएफआई प्रमुख संजय सिंह ने बुधवार को आईएनएस से बातचीत करते हुए कहा था, ‘अमेरिकी दूतावास ने नौ भारतीय पहलवानों के वीजा इस आधार पर खारिज कर दिए कि वे बेरोजगार हैं।



वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हराया

सीरीज 2-2 से बराबर; कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों के भटके लाइन-लेंथ को ठहराया हार की वजह

हैदराबाद । वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के चौथे मुकाबले में भारत को 24 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही मेजबान कैरेबियाई टीम ने सीरीज में 2-2 की रोमांचक बराबरी हासिल कर ली है। अब सीरीज का निर्णायक और पांचवां मुकाबला 17 अक्टूबर को



बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। शार्ड होप का विस्फोटक शतक, विंडीज ने खड़ा किया 247 रनों का पहाड़ टॉस हाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 247 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

चैंपियंस लीग: रियल मैड्रिड ने आखिरी 8 मिनट में पलटा मैच

एएस रोमा को 4-3 से हराया

रोम । जोस मोरिन्हो की रियल मैड्रिड ने एएस रोमा के खिलाफ आखिरी 7 मिनट में तीन गोल करते हुए 1-3 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और मुकाबला 4-3 से जीता। 83वें मिनट तक मोरिन्हो की टीम 3-1 से पीछे थी, लेकिन एस्पी, एंड्रिक और रडियार ने सिर्फ 8 मिनट में मैच पलट दिया और यूरोप में अपनी दूसरी जीत पक्की कर ली। मैच की शुरुआत तेज रफ्तार से हुई। चौथे मिनट में ही कोटोइस को हर्मांसो का शॉट रोकने के लिए शानदार सेव करना पड़ा। 16वें मिनट में रोमा ने बद्रत ले ली, जब डी रून का शॉट उनके ही साथी मालेन से टकराकर दिशा बदलते हुए गोल में चला गया। हालांकि, रोमा की बढ़त सिर्फ 5



मिनट ही रही। 25वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने लॉन्ग-रेंज से शॉट मारा, जो मैनसिनी से डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर गोलिनी को छकाते हुए अंदर चला गया और स्कोर 1-1 हो गया। पहले हाफ के आखिरी

मिनटों में दोनों टीमों के पास मौके आए। कुकुरेला छत्ती से गंद नियंत्रित कर बॉक्स में घुसे, लेकिन उनका शॉट टारगेट से चूक गया। एक्स्ट्रा टाइम में बेर्लिंगहैम का लेफ्ट-फुट शॉट भी थोड़ा वाइड चला गया।

कप्तान श्रेयस अय्यर का बयान

‘गेंदबाजों ने योजनाओं पर अमल नहीं किया’

मैच के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों के लंचर प्रदर्शन पर खुलकर निराशा जाहिर की । उन्होंने स्वीकार किया कि टीम गेंदबाजी में अपनी तय रणनीतियों को धरातल पर उतारने में पूरी तरह नाकाम रही । श्रेयस अय्यर ने कहा-गेंदबाजी में चूक : ‘हम गेंदबाजी में अपनी योजनाओं को सही ढंग से लागू नहीं कर सके । गेंदबाज सही लाइन और लेंथ बनाए रखने में नाकाम रहे, जिससे विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका मिला और मैच हमारे हाथ से निकल गया । ’ बल्लेबाजों का जुझारूपन : ‘248 रन के भारी दबाव वाले चेज में बल्लेबाजों ने बेहतरीन जज्बा दिखाया और मैच को अंत तक खींचने की कोशिश की, जिसकी मैं सराहना करता हूं । ’ वेस्टइंडीज की रणनीति की तारीफ : ‘वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने अपनी फील्डिंग का बहुत समझदारी से इस्तेमाल किया ।

पीएसजी से मिली हार से सबक लेगी मैनचेस्टर सिटी: एंजो मारेस्का

मैनचेस्टर । एंजो मारेस्का का कहना है कि यूईएफए चैंपियंस लीग में बुधवार को एतिहाद स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से मिली 4-2 की हार से मैनचेस्टर सिटी सबक लेगी। मैनचेस्टर सिटी को आठ मैचों में पीएसजी के खिलाफ यह पहली हार मिली है। मैनचेस्टर सिटी ने मारेस्का के हवाले से कहा, ‘हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। भले ही हम यूरोप की सबसे अच्छी टीम के खिलाफ दो गोल खा लें, हमें सही चीजें करने की जरूरत है। मैं खिलाड़ियों से सीखता रहता हूं, क्योंकि मैं तीन महीने पहले ही यहां आया हूं। हम पहला गोल खा लेते हैं और फिर एक मिनट बाद इस तरह की टीम के खिलाफ दूसरा गोल खा लेते हैं। जब आप 0-0 पर हों, तो यह पहले से ही मुश्किल होता है।’

उन्होंने आगे कहा, ‘दो मिनट में आप दो गोल खा लेते हैं और हमने थोड़ा संतुलन खो दिया, खिलाड़ियों के बीच दूरी रही। हमने संघर्ष किया, लेकिन फिर दूसरे हाफ में हमने बदलाव किए, कुछ एडजस्ट किया और हम बहुत बेहतर थे। सच कहूं तो मुझे पीएसजी के खिलाफ खेलना बहुत पसंद है। दूसरे 45 मिनट में

शानदार कोशिश के बावजूद, पहले 45 मिनट में हुए नुकसान ने विजिटर्स को पॉइंट दिलाए । ’



मारेस्का ने कहा, ‘वे बहादुर हैं, मुझे पता है कि वे कैसे दबाव बनाना चाहते हैं। बॉल पर वे डायनेमिक हैं। मुझे उनके खिलाफ खेलना पसंद है। हम वहां हैं। मुझे लगता है कि हम करीब हैं। पहले हाफ में, हमने संघर्ष किया, क्योंकि हमने दो गोल खाए। लुइस एनरिक ने आखिर में मुझसे कहा कि वे काफी लकी रहे।

अभिषेक नायर ने शार्ड होप की मैथ्यू हेडन से की तुलना

नई दिल्ली । भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने टीम इंडिया के खिलाफ शार्ड होप के शानदार प्रदर्शन की तुलना 2000 के दशक में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मैथ्यू हेडन के प्रभाव से की है । उन्होंने होप की तारीफ



करते हुए कहा कि वे मौजूदा दौर पर वेस्टइंडीज की ओर से तीनों फॉर्मेट में बेहतरीन खेल दिखा रहे हैं, जिसमें उन्होंने कंट्रोल, पावर और परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढालने की शानदार क्षमता दिखाई है । तेज गति और बेहतरीन स्पिन का सामना करने के बावजूद, होप ने भारत के खिलाफ खूब रन बनाए हैं । उनकी खासियत यह है कि वह सिर्फ पावर-हिटिंग या सिर्फ टच-प्ले पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि जरूरत के हिसाब से अपना खेल बदल लेते हैं, जिससे उन्हें रोकना किसी भी गेंदबाज के लिए मुश्किल हो जाता है ।

मैनचेस्टर सिटी को पीएसजी ने 4-2 से हराया, आठ मैचों में सिटी की पहली हार

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर सिटी को एतिहाद स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सिटी की पीएसजी के हाथों आठ मैचों में ये पहली हार है। पीएसजी को पहले हाफ में डेजायप डू, ओस्मान डेम्बेले और विटिना ने तीन गोल की बढ़त दिलाई। अर्लिंग ह्यलैंड ने सिटी के लिए रिकॉर्ड तोड़ 37वां यूरोपियन गोल किया। इसके बाद पीएसजी के लिए मेनेस अक्लिउचे ने चौथा गोल किया। एंजो मारेस्का की टीम पॉइंट्स के लिए लड़ती रही। एंजो फर्नांडीज और ह्यलैंड ने वुडवर्क पर शॉट मारे, इससे पहले नॉर्वे के खिलाड़ी ने एक और गोल किया।

जियानलुइगी डोनारम्मा ने फेरान टोरेस की आखिरी पेनल्टी बचाई, लेकिन फ्रेंच चैंपियंस ने 4-2 से जीत हासिल की।

एक अन्य मैच में, फेयेनूर्ड ने भी रॉटरडैम में एक रोमांचक मुकाबले में वापसी करते हुए जीत हासिल की।

सऊदी अरब में हमले के बाद फीफा ने फीफा-ई फाइनल्स को टाल दिया

नई दिल्ली । फीफा और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ने फीफा-ई फाइनल्स 2026 को टाल दिया है। इवेंट 16 से 25 अक्टूबर तक जेद्दा में होने वाला था। यह फैसला हाल ही में रियाद के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद लिया गया है। 10 अक्टूबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमले में 12 लोग मारे गए और 309 घायल हो गए। यमन के ईमान से जुड़े हूती मूवमेंट ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली, जिसے एक दशक से ज्यादा समय में देश का सबसे खतरनाक हमला माना जा रहा है। इवेंट के



आयोजक ने एक बयान में कहा, ‘यह फैसला इलाके में हाल के डेवलपमेंट और टूर्नामेंट को कराने के लिए जरूरी लॉजिस्टिक इंतजामों पर उनके असर की जांच के बाद लिया गया है । ’ इसमें कहा गया है कि फीफा-ई फाइनल्स के बारे में आगे की घोषणाएं सही समय पर की जाएंगी। बयान में कहा गया, ‘फीफा ने सऊदी अरब और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन के फीफा-ई फाइनल्स 2026 की तैयारियों में दिए गए सपोर्ट और सहयोग की तारीफ की, जो सऊदी अरब ने टूर्नामेंट के पिछले एडिशन की सफल मेजबानी के आधार पर किया है ।’

शंघाई । शंघाई मास्टर्स में आर्थर गया के बेहतरीन प्रदर्शन चोट की वजह से अचानक रुक गया। गुरुवार को एलेजांड्रो डेविडोविच फोकिना के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान उन्हें चोट लगी, जिसके कारण उन्हें बीच में ही छोड़ना पड़ा। सेमीफाइनल में फोकिना का मुकाबला अलेक्जेंडर ज्वेरेव और एलेक्स डी मिनीर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। फोकिना के खिलाफ मैच शुरू होने के महज 22 मिनट बाद ही गया को बाहर होना पड़ा। वह दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे थे और उन्होंने फिजियो को बुलाया, जिसके बाद उन्हें तीन मिनट का मेडिकल टाइमआउट मिला। इसके बाद उन्होंने केवल तीन और प्वाइंट खेले और फिर 1-4 से पीछे रहने पर मैच छोड़ने का फैसला किया। फ्रांस के 21 वर्षीय खिलाड़ी गया ने मंगलवार को दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी जैकब मेन्सिक को 7-6(4), 6-4 से हराकर



इंडेक्स के अनुसार, जुलाई के बाद से गया ने अपने पिछले 15 दूर-लेवल मैचों में से 13 में जीत हासिल की है।

शंघाई मास्टर्स: चोट के कारण क्वार्टर फाइनल मैच से हटे आर्थर गया

फोकिना को मिला सेमीफाइनल का टिकट

गया अपने करियर के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में हिस्सा ले रहे थे और इस समय दुनिया के 56वें ??नंबर के खिलाड़ी हैं, जो उनके करियर की अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग है। 2026 में उनका प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। अगस्त में उन्होंने लॉस काबोस में अपना पहला एटीपी दूर खिताब जीता था और इसके बाद वह ‘लकी लुजर’ के तौर पर यूएस ओपन के चौथे राउंड तक पहुंचे थे। वहीं, पुरुष डबल्स में जैकब र्नाइटर और मार्क वालनर की जोड़ी ने एक बड़ा उलटफेर करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। उन्होंने टॉप सीड क्रिश्चियन हैरिसन और नील स्कुपस्की को 7-6(5), 6-3 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जनवरी 2024 से एक साथ खेल रहे र्नाइटर और वालनर ने अपने सामने आए सभी चार ब्रेक प्वाइंट बचाए।

न्यूज डायरी

उपायुक्त ने समाधान शिविर में सुनी जिलावासियों की समस्याएं

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आज छोटा त्रिलोकपुर गांव के ग्रामीणों की राशत्र डियो के प्रतिनिधि द्वारा देरी से व पूरा राशन ना देने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने डीएफएससी को तुरंत मामले की जांच कर सार्य तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त समाधान शिविर में जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने अलग-अलग मामलों की 2 शिकायतें सुनी व संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।

श्री सतपाल शर्मा ने धर्मपुर कॉलोनी निवासी की घर के सामने अवैध अतिक्रमण की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए एसएचओ पिंजौर को मामले को जांच कर सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने बताया कि सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में उपायुक्त कार्यालय में प्रत्येक सोमवार व वीरवार को प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे तक कार्य दिवस के दिन आयोजित किए जा रहे है। इन शिविरों में जिलावासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविर से जुड़ते है व लोगों की आई समस्या पर की गई कार्रवाही को स्वयं मोनिटरिंग करते है। उन्होंने सभी अधिकारियों को जिलावासियों की समस्याओं का बिना विलंब किये समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने जिलावासियों से समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करवाने की अपील भी की।

उपायुक्त की अधिकारियों को चेतावनी समाधान शिविर में देरी से आने वाले पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाही

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आज अधिकारियों को सख्त संदेश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में लेट लतिफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर सप्ताह में सोमवार व वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक जिलावासियों की समस्याओं के समाधान के लिए हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार आयोजित किया जाता है।

डीसी श्री सतपाल शर्मा ने देरी से आने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में अंदर आने पर रोक लगा दी और सभी अधिकारी समाधान शिविर के बाहर ही खड़े रहे। उपायुक्त ने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी अधिकारी को प्रातः 10 बजे के बाद समाधान शिविर में नहीं आने दिया जाएगा और देरी से आने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाही अमल में लाई जाएगी।

उपायुक्त ने बताया कि सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में उपायुक्त कार्यालय में प्रत्येक सोमवार व वीरवार को प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे तक कार्य दिवस के दिन आयोजित किए जा रहे है। इन शिविरों में जिलावासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविर से जुड़ते है व लोगों की आई समस्या पर की गई कार्रवाही को स्वयं मोनिटरिंग करते है। उन्होंने सभी अधिकारियों को जिलावासियों की समस्याओं का बिना विलंब किये समाधान करने के निर्देश दिए।

नगराधीश की अध्यक्षता में जनयणणा-2027 के द्वितीय चरण के सफल आयोजन को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला पंचकूला में जनगणना-2027 के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियों की जा रही हैं। इसी कड़ी में जनगणना के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नगराधीश जागृति की अध्यक्षता में आज सेक्टर-1 स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के सफल संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों और तकनीकी सहायक का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगराधीश ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को पूरी जिम्मेदारी, सटीकता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न करना सुनिश्चित करें।

जनगणना-2027 के सुचारु संचालन के लिए अतिरिक्त गणनाकारों और पर्यवेक्षकों की होगी तैनाती उप जिला जनगणना अधिकारी तथा जिला सांख्यिकी अधिकारी श्री सुनील जाखड़ ने बताया कि जनगणना कार्य को सुचारु रूप से संपन्न करवाने के लिए इस बार अतिरिक्त गणनाकारों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

जनगणना निदेशालय के वरिष्ठ सलाहकार श्री विनय शर्मा तथा जिला जनगणना समन्वयक श्रीमती मधु द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जनगणना प्रक्रिया, आवश्यक दिशा-निर्देशों तथा आंकड़ों के सटीक संकलन से संबंधित जानकारी प्रदान करना है, ताकि जनगणना कार्य को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके।

हरियाणा सिविल सचिवालय में योग से कर्मचारी बन रहे तनावमुक्त, दैनिक योगाभ्यास से बढ़ी कार्यक्षमता

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा योग को बढ़ावा देने तथा मुख्यमंत्री के ‘योगयुक्त, नशा मुक्त हरियाणा’ के संकल्प को साकार करने की दिशा में हरियाणा योग आयोग निरंतर सराहनीय एवं प्रभावी प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में कार्यरत कर्मचारियों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए एक विशेष पहल चलाई जा रही है।

हरियाणा योग आयोग के प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा पिछले दो वर्षों से सिविल सचिवालय की विभिन्न शाखाओं में जाकर कर्मचारियों को प्रतिदिन 15 से 20 मिनट का योगाभ्यास करवाया जा रहा है।

इस दैनिक योगाभ्यास सत्र के दौरान कर्मचारियों को तनाव मुक्त रखने, मानसिक स्पष्टता लाने और शारीरिक ऊर्जा में वृद्धि करने के उद्देश्य से डीप ब्रीदिंग (गहरा श्वसन), सूक्ष्म यौगिक क्रियाएं, प्राणायाम तथा ध्यान (मेडिटेशन) का अभ्यास करवाया जाता है। इस पहल से सचिवालय कर्मचारियों की कार्यक्षमता और दैनिक ऊर्जा स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है।

हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य ने इस विषय में कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ शरीर, शांत मन, सकारात्मक सोच और नशामुक्त समाज के निर्माण का एक सरावत माध्यम है। जब कर्मिक तनाव मुक्त और ऊर्जावान रहेंगे, तो जनसेवा और प्रशासनिक कार्य भी अधिक सुगमता व गति से संपन्न होंगे।

उन्होंने कहा कि यह नियमित योग सत्र न केवल सचिवालय के कर्मचारियों को दिनभर की दिनचर्या में मानसिक शांति प्रदान कर रहा है, बल्कि प्रदेश में ‘योगयुक्त एवं नशामुक्त हरियाणा’ के व्यापक संदेश को भी मजबूती दे रहा है।

चंडीगढ़/ हरियाणा / पंजाबहरियाणा में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई, पुलिस चलाएगी विशेष अभियान

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस प्रदेश में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (HSRP) से संबंधित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही विशेष जागरूकता एवं एनफोर्सेमेंट अभियान चलाते जा रही है। अभियान के दौरान निर्धारित मानकों के अनुरूप नंबर प्लेट नहीं लगाने वाले वाहनों की जांच की जाएगी तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बिना निर्धारित एचएसआरपी, अनधिकृत, छेड़छाड़ की गई अथवा अस्पष्ट नंबर प्लेट वाले वाहनों के मामलों में लागू नियमों के अनुसार चालान भी किया जा सकता है।

इस अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने, वाहनों की सही पहचान सुनिश्चित करने, नंबर प्लेट के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने तथा वाहन पंजीकरण नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करना है। यातायात पुलिस एवं संबंधित इकाइयों द्वारा वाहन चालकों को एचएसआरपी के महत्व, इसके सुरक्षा लाभों और अधिकृत



माध्यमों से प्लेट लगवाने की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों का चालान भी किया जाएगा।

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री अजय सिंघल ने कहा कि प्रदेश में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और वाहनों की सही पहचान सुनिश्चित करने के लिए हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट से संबंधित नियमों का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों पर निर्धारित मानकों

के अनुरूप एचएसआरपी लगावाएं और यातायात नियमों का पूरी जिम्मेदारी के साथ पालन करें। उन्होंने कहा कि एचएसआरपी वाहनों की पहचान को अधिक विश्वसनीय बनाने, नंबर प्लेट के दुरुपयोग को रोकने तथा वाहन चोरी जैसे अपराधों की जांच में सहायक है। हरियाणा पुलिस द्वारा जागरूकता के साथ-साथ नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक एनफोर्सेमेंट कार्रवाई भी की जाएगी। निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लागू कानूनी प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

एडीजीपी ट्रेफिक अमिताभ ढिल्लों ने बताया कि हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप तैयार की जाती है। इसमें मौजूद विशेष सुरक्षा विशेषताएं वाहनों की पहचान एवं पंजीकरण विवरण के सत्यापन में सहायक होती हैं। इससे नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ और उसके दुरुपयोग की संभावनाओं को कम करने में मदद मिलती है।

हरियाणा में अब तक 15.52 लाख मीट्रिक टन धान की सरकारी खरीद, लगभग 50 प्रतिशत का उठान

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन के दौरान धान की सरकारी खरीद तेजी से जारी है। राज्य की खरीद एजेंसियों ने अब तक 15.52 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की है और किसानों को 1,221 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। गौरतलब है कि सामान्य श्रेणी के धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,441 रुपये प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज धान खरीद की समीक्षा करते हुए मंडियों में धान की आवक, खरीद, उठान, किसानों को भुगतान तथा खरीद प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रगति का जायजा लिया।

समीक्षा बैठक में फसल खरीद के पूरे सीजन के दौरान सुचारु व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन, खरीद एजेंसियों, मंडी अधिकारियों, दुर्लाईकर्ताओं और चावल मिल मालिकों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। साथ ही समुचित उठान व्यवस्था बनाए रखने, पारदर्शी तुल्राई एवं नमी की जांच तथा खरीद से संबंधित दस्तावेजी प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर भी चर्चा की गई।

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल मजबूत कर रही सरकार : रणबीर गंगवा

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का नेटवर्क मजबूत कर गांवों को बेहतर आवागमन सुविधाएं उपलब्ध करने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में करनाल जिले में पिचोर्लिया हेड से जानी गांव तक पश्चिमी यमुना नहर के बाएं किनारे पर 10 करोड़ 38 लाख 52 हजार रुपये की लागत से नई सड़क बनाई जाएगी। इस सड़क के निर्माण से आसपास के गांवों का सड़क संपर्क बेहतर होगा और ग्रामीणों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी।

श्री गंगवा ने बताया कि प्रस्तावित सड़क 1.20 किलोमीटर लंबी और 5.50 मीटर चौड़ी होगी। सड़क निर्माण से पिचोर्लिया, जानी और बुधनपुर गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत प्रस्तावित इस सड़क के निर्माण के लिए सिंचाई विभाग से आनापूर्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी प्राप्त हो चुका है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क सुविधाएं लोगों की दैनिक जरूरतों से जुड़ी हैं। सड़कों का विस्तार होने से गांवों के बीच आवागमन आसान होता है और ग्रामीणों को अपने जरूरी कार्यों के लिए आने-जाने में सुविधा मिलती है। प्रदेश सरकार गांवों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

मनीमाजरा वार्ड नंबर 6 में विकास कार्यों की रफ्तार जारी, शांति नगर की गलियों में पेवर ब्लॉक लगाने का काम शुरू

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। वार्ड नंबर 6 में विकास कार्यों को गति देते हुए शांति नगर की गलियों में पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य शुरू करवा दिया गया है। इसका शुभारंभ पूर्व मेयर एवं वार्ड नंबर 6 की पार्षद श्रीमती सरबजीत कौर ढिल्लों ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, महिलाएं एवं वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि पाइपलाइन बिछाने के बाद शांति नगर की गलियों की हालत काफी खराब हो गई थी, जिससे बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और दोपहिया वाहन चालकों को आने-जाने में परेशानी होती थी। क्षेत्रवासियों की समस्या को गंभीरता



से लेते हुए पार्षद सरबजीत कौर ढिल्लों ने नगर निगम से गलियों के पुनर्निर्माण का कार्य स्वीकृत करवाया, जिसे अब शुरू कर दिया गया है।

इस अवसर पर स्थानीय निवासियों ने खुशी जाहिर करते हुए मेयर सरबजीत

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि किसान को पारदर्शी तरीके से उसकी पॉलिसी उसके हाथ में मिले। इसी सोच के तहत ‘मेरी पॉलिसी मेरे हाथ’ अभियान शुरू किया गया है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने 15 अक्टूबर से 15 नवंबर तक पूरे भारत में एक महीने के लिए विशेष ड्राइव चलाई है। इस ड्राइव के तहत हर पात्र किसान को उसकी फसल की बीमा पॉलिसी उसके हाथ में दी जा रही है, ताकि किसान को यह पता चल सके कि उसकी फसल का बीमा हुआ है, उसकी प्रीमियम राशि



क्या है और उसे क्लेम कैसे मिलेगा।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने वीरवार को कुरुक्षेत्र जिला के शाहाबाद में कृषि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वीडन सरकार के अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एवं विदेश व्यापार मंत्री बेंजामिन दौसा से की महत्वपूर्ण मुलाकात



जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने स्वीडन सरकार के अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एवं विदेश व्यापार मंत्री श्री बेंजामिन दौसा से महत्वपूर्ण मुलाकात की। इस बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-स्वीडन द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने तथा हरियाणा में सहयोग के नए आयाम तलाशने पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा स्वीडन के साथ की गई मुलाकातों को आगे बढ़ाना हमारा प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने उल्लेख किया कि मई 2025 में भारत और स्वीडन ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा

दिया था। आने वाले पांच वर्षों में दोनों देशों ने आपसी व्यापार और निवेश को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

श्री सैनी ने बताया कि वर्तमान में भारत में बहुत सारी स्वीडिश कंपनियां कार्यरत हैं। उन्होंने शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और ऊर्जा क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच मिलकर आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से हरियाणा में उपलब्ध 18 ड्राई पोर्ट्स का जिक्र करते हुए कहा कि इन पर स्वीडन के साथ मिलकर कार्य करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। स्वीडिश मंत्री श्री बेंजामिन दौसा ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और हरियाणा के साथ मिलकर भविष्य की योजनाओं पर सहमति जताई।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करेगी हरियाणा सरकार: श्रुति चौधरी



की हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसी महिलाओं के योगदान को पहचान देना, उनकी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना और अन्य महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने बताया कि श्रीमती सुषमा स्वराज पुरस्कार के तहत पांच लाख रुपये, इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के तहत एक लाख 50 हजार रुपये, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार

तथा बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार के तहत एक-एक लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, लाइफटाइम अचीवर्स पुरस्कार के तहत 51 हजार रुपये तथा उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं की श्रेणी में 21 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। सभी चयनित महिलाओं को नकद पुरस्कार के साथ प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि सुषमा स्वराज पुरस्कार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को दिया जाएगा। इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार महिला एवं बाल कल्याण, संरक्षण और पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं के लिए है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना किसान को पारदर्शी तरीके से हाथ में मिले उसकी पॉलिसी : श्याम सिंह राणा

एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत मेरी पॉलिसी मेरे हाथ राज्य स्तरीय समारोह मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

श्री श्याम सिंह राणा ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ‘मेरी पॉलिसी मेरे हाथ’ अभियान की पॉलिसी देने के बाद कहा कि किसानों को सुरक्षित करने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने मेरी फसल मेरा ब्यूरो पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि हर किसान को अपना पंजीकरण इस पोर्टल पर

जरूर करवाना चाहिए, ताकि सरकार को सभी योजनाओं का लाभ सीधे उसके खते में पहुंच सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का लक्ष्य है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाया है। भारत विकसित तभी होगा जब हमारा किसान विकसित होगा, हमारा मजदूर विकसित होगा, हमारा व्यापारी विकसित होगा और समाज का हर वर्ग विकसित होगा। जब हर वर्ग विकसित होगा, तभी 2047 तक भारत एक विकसित भारत बनेगा।

कार्यक्रम के दौरान श्री श्याम सिंह राणा ने सभी किसानों को ‘ना पराली जलाएंगे, ना जलाने देंगे’ की शपथ भी दिलाई।

हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सख्त पहल: बाल देखभाल संस्थानों में सीसीटीवी के दुरुपयोग पर रोक, जारी हुआ वैधानिक परामर्श

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने प्रदेश के बाल देखभाल संस्थानों (सीसीआई) में रहने वाले बच्चों की निजता, गरिमा और सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए एक महत्वपूर्ण वैधानिक परामर्श जारी किया है। आयोग की अध्यक्ष सुश्री तृपित श्योराण द्वारा बाल अधिकार संरक्षण आयोग (सीपीसीआर) अधिनियम, 2005 की धारा 13 (1) (ए) के तहत यह कदम उठाया गया है। आयोग के दौरो में यह बात सामने आई थी कि कई संस्थानों में सीसीटीवी सिस्टम को व्यक्तिगत मोबाइल फोन और लैपटॉप से जोड़ा गया है, जिससे लाइव फुटेज कहीं से भी एक्सेस, डाउनलोड या वायरल की जा सकती है, जो बच्चों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है।

जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, सीसीटीवी सिस्टम, उसकी फुटेज और पासवर्ड पर केवल संस्थान के प्रभारी की नियंत्रण रहेगा तथा साझा पासवर्ड के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। कैमरों को किसी भी निजी मोबाइल या लैपटॉप से जोड़ना सख्त वर्जित किया गया है और रिमोट एक्सेस को बाय-डिफॉल्ट बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वच्छ रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा गया है।

आयोग ने चेतावनी दी है कि निर्देशों का पालन नहीं करने वाली एजेंसियों के विरुद्ध कानून के अनुसार अभियोजन सहित सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

आयोग के मुताबिक, ‘स्वच्छ वायु अभियान’ के तहत दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आगे भी निरीक्षण अभियान जारी रहेंगे। इनका उद्देश्य प्रदूषण नियंत्रण उपायों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की जांच करना, कमियों की पहचान करना और संबंधित विभागों से समय पर सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित कराना है।